दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 127 | संभल, रविवार 19 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.



पेज :- 03- जनता के सामने जवाबदेही—डीएम ने लापरवाह....

पेज :- 04- वर्दी की आड़ में बड़ा खेल : स्टेशन मास्टर बनाकर...

महिला आरक्षण पर कैबिनेट बैठक में बोले पीएम मोदी

विपक्ष को भुगतना पड़ेगा, गांव-गांव तक ले जाएंगे



नई दिल्ली। लोकसभा में 131वां संविधान संशोधन बिल पास नहीं हो पाया। इसे पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी लेकिन विपक्ष ने एकजुट होकर इसके खिलाफ वोट डाला। इस कारण बिल अटक गया और 2029 से ही महिलाओं को आरक्षण देने वाला बिल अटक गया। अब शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट मीटिंग में इसे लेकर विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है। पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष को इसका नतीजा भुगतना पड़ेगा। सूत्रों ने बताया कि कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का समर्थन न करके विपक्ष ने गलती की है। अब उनको भुगतना पड़ेगा। पीएम मोदी ने इस बात को गांव-गांव तक पहुंचाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने देश की महिलाओं को हराया है। विपक्ष को महिलाओं को जवाब देना पड़ेगा। इसको जन-जन तक गांव-गांव तक ले जाना है। बिल पास न हो पाने पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम सभी इस बात से दुखी हैं कि कांग्रेस और विपक्ष ने दो तिहाई बहुमत से संविधान में संशोधन की अनुमति नहीं दी। यह हमारी सरकार या पार्टी के लिए नुकसानदायक नहीं है। हम दुखी हैं कि इससे नुकसान देश की महिलाओं का हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सभी दुखी हैं कि महिला आरक्षण बिल में संशोधन नहीं हो सका और बिल गिर गया। यह सरकार की नाकामी नहीं है, बल्कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों का देश पर किया गया एक बड़ा हमला है। यह कांग्रेस के माथे पर एक काला धब्बा है। यह शर्मनाक है कि वे इसका जश्न मना रहे हैं। 2029 से ही महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33: आरक्षण देने के मकसद से सरकार तीन बिल लेकर आई थी। इसमें एक बिल 131वां संविधान संशोधन का था। इन तीनों बिलों पर 21 घंटे की चर्चा के बाद शाम को 131वें संविधान संशोधन बिल पर वोटिंग हुई। कुल 528 वोट पड़े। बिल के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। लेकिन इस बिल को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। 528 सांसदों का दो तिहाई 352 होता है। इस बिल के गिरने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बाकी दो बिलों को आगे बढ़ाने से मना कर दिया। नतीजा ये हुआ कि 2029 से अब महिलाओं को 33: आरक्षण नहीं मिल पाएगा।

बिहार में एनडीए का विपक्ष पर तीखा हमला,

महिलाओं का हक छीनना विरोधियों को पड़ेगा महंगा

पटना। लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक खारिज होने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। एनडीए के नेता और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच बिहार में एनडीए के नेताओं ने कहा कि विपक्ष महिला विरोधी पार्टी है और इसके पारित न होने पर खुशी मना रही है। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा, कांग्रेस के लोग, राजद के लोग, सपा के लोग, स्टालिन जैसे लोग मिठाइयां बांट रहे हैं और जश्न मना रहे हैं। इन लोगों को समय आने पर एहसास होगा कि इनकी यह खुशी उन्हें कितनी महंगी पड़ेगी। ये लोग अपने घरों से जहां भी निकलेंगे, वहां इनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन होंगे। इतना बड़ा आरक्षण विधेयक, प्रधानमंत्री इसे पास कराना चाहते थे। इन्हें समय आने पर एहसास होगा। भारत की महिलाएं अब सिर्फ फूल नहीं हैं, वे चिंगारियां हैं। वे अब जाग चुकी हैं। विपक्ष को हर कदम पर उनके विरोध का सामना करना पड़ेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी पर संजय सरावगी ने कहा, उनका पूरा परिवार अभी भी इटली के प्रति अपने मोह से बाहर नहीं निकल पाया है। यह मामला अभी अदालत में है और अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।



राहुल गांधी की भाषा को देश के प्रति अपमानजनक और अनादरपूर्ण बताया गया है। बिहार सरकार में मंत्री रामकृपाल यादव ने महिला आरक्षण बिल पर कहा, 2023 में महिला बिल जब लाया गया था तब सबने इसका समर्थन किया था। कांग्रेस ने भी समर्थन किया था और आज जब महिला आरक्षण को लागू करने की बारी आ रही है तो इसका विरोध वही लोग कर रहे हैं जिन्होंने समर्थन किया था। कांग्रेस मुख्य रूप से इसमें भूमिका अदा कर रही है। महिला का हक छीनना कांग्रेस और विरोधियों को महंगा पड़ेगा। लोकसभा में संविधान के 131वें संशोधन विधेयक के खारिज होने पर जेडीयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, ष्विधेयक के गिर जाने के बाद पूरे देश की महिलाएं खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हैं। जब यह विधेयक पारित नहीं हो सका, तो महिलाएं हतप्रभ और निशब्द रह गईं। एक बार फिर, कांग्रेस, टीएसी, डीएमके और इंडीश गठबंधन के अन्य दलों के आचरण और कार्यशैली में महिला-विरोधी रवैया स्पष्ट हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं के लिए कोई ठोस पहल नहीं की। यह उनके लिए अपनी गलतियों को सुधारने का एक मौका था, लेकिन एक बार फिर उन्होंने इसे गंवा दिया।

सार संक्षेप

सरकार का बड़ा फैसला, उप मुख्यमंत्रियों को मिलेगी जेड कैटेगरी की सुरक्षा

पटना। बिहार सरकार ने उप मुख्यमंत्रियों विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, दोनों उप मुख्यमंत्रियों को अब जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा चौधरी और यादव की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा किए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। श्जेडश श्रेणी की सुरक्षा में प्रशिक्षित कर्मियों की एक समर्पित टीम शामिल होती है, जो उन्नत हथियारों से लैस होती है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राज्यसभा के सदस्य हैं। उन्हें हाल में राज्य सरकार द्वारा श्जेड-प्लसश श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। अधिकारी ने कहा, जेड-प्लस की सुरक्षा सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सबसे उच्च स्तर की सुरक्षा व्यवस्था है। बिहार में 15 अप्रैल को पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार बनी और सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

कांग्रेस महिला विरोधी, पार्टी को महिलाओं के गुस्से का सामना करना होगा: किरेन रीजीजू

नईदिल्ली: महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन के माध्यम से लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या बढ़ाने के संबंध में लाए गए संविधान संशोधन विधेयक को एकजुट विपक्ष द्वारा पारित नहीं होने देने के एक दिन बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कांग्रेस पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाया और कहा कि उसे उनके गुस्से का सामना करना होगा। रीजीजू ने कहा, यह साबित हो चुका है कि कांग्रेस महिला विरोधी है उसे देश की महिलाओं के गुस्से का सामना करना होगा। उन्होंने कहा, महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने के बाद विपक्ष जश्न मना रहा हैय देश की महिलाएं उन्हें करारा सबक सिखाएंगी। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर महिला विरोधी मानसिकता रखने का भी आरोप लगाया और कहा कि पार्टी अब बेनकाब हो चुकी है। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो पाया। विधेयक में 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन अभ्यास के बाद 2029 के संसदीय चुनाव से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि का प्रावधान था। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को शामिल करने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाई जानी थी।

बंगाल की धरती पर गरजे सीएम योगी

ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है



कूच बिहार/जलपाईगुड़ी,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में फिर गरजे। माथाभांगा व धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पर लोकसभा में विपक्षी दलों के रुख की भर्त्सना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के पैरोकारों ने यह संशोधन विधेयक पास नहीं होने दिया। यह देश की आधी आबादी का अपमान है, माता-बहनें इसे किसी रूप में बर्दाश्त नहीं करेंगी। सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल की मौजूदा अराजक स्थिति के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को दोषी ठहराते हुए ऐलान किया कि ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है। अब बंगालवासियों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। आधी आबादी को हक नहीं देना चाहते विपक्षी दल मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहन-बेटियों के लिए लोकसभा व विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण 2029 में लागू करने का संशोधन विधेयक संसद में प्रस्तुत किया, लेकिन कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा व वामपंथियों ने इसे पास नहीं होने दिया। ये लोग आधी आबादी को उसका हक नहीं देना चाहते, लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों की पैरोकारी करते हैं। बंगाल में मुसलमानों का नाम मतदाता सूची में चढ़े और वे गरीबों के हक पर डकैती डाल सकें, तृणमूल सरकार का यही काम है। आखिर यह कब तक चलेगा। नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को गिराने से आधी आबादी का अपमान हुआ है। देश की बहन-बेटियां इसे कतई स्वीकार नहीं कर सकती हैं। देश ने संसद में देखा मां के साथ तृणमूल का व्यवहार सीएम योगी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस मां, माटी व मानुष की बात करती थी। देश-दुनिया ने संसद में मां के साथ उनके व्यवहार को देखा। बंगाल में माटी की स्थिति यह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा यहां के राजवंशियों व नागरिकों का हक छीना जा रहा है। मानुष टीएमसी की गुंडागर्दी से भयभीत है। उपज का दाम नहीं मिलने से किसान पलायन करने को विवश है। यूपी में आलू का दाम 15 से 20 रुपए है और यहां एक से डेढ़ रुपए। टीएमसी के 15 वर्ष के कार्यकाल में 7000 से अधिक बड़े कारखाने बंद हुए। यूपी में हमने तीन करोड़ नौजवानों को रोजगार दिया, लेकिन बंगाल में 30 लाख नौजवान बेरोजगार हुए। धान व मछली उत्पादन में लगातार गिरावट आ रही है। केंद्र सरकार विकास के लिए जो पैसा देती है, वह जरूरतमंदों तक नहीं पहुंचता। यह पैसा तृणमूल के गुंडे व बांग्लादेशी घुसपैठिए खा जाते हैं। सैंड माफिया, बागान माफिया सभी आपके हक पर डकैती डाल रहे हैं। ममता दीदी को हिंदुओं व जय श्रीराम से चिढ़ टीएमसी प्रमुख पर कड़ा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ममता दीदी को हिंदुओं व जय श्रीराम के उद्घोष से चिढ़ है। जिस तरह उन्होंने संसद में आधी आबादी को मिलने वाले हक का विरोध किया।

कश्मीर घाटी में 5.3 तीव्रता के भूकंप के झटके, अफगानिस्तान का बदाखशान था केंद्र

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में शनिवार को रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसका केंद्र अफगानिस्तान के बदाखशान प्रांत में था। घरों में पंखे सहित अन्य वस्तुएं हिलती हुई देख लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि अभी तक भूकंप से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह 8.24 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र पृथ्वी के 190 किलोमीटर अंदर था। इसके निदेशांक 36.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.92 डिग्री पूर्वी देशांतर हैं। भूकंप विज्ञान के अनुसार, कश्मीर घाटी भूकंप की आशंका वाले क्षेत्र में स्थित है। पूर्व में कश्मीर में भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। 8 अक्टूबर, 2005 को जम्मू-कश्मीर में रिक्टर पैमाने पर 7.6 तीव्रता का एक भूकंप आया था, जिसमें 80,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इस भूकंप का केंद्र पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) के मुजफ्फराबाद शहर में था। इस भूकंप के झटकों से वह शहर पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गया था। घाटी के बारामूला जिले में स्थित सीमावर्ती शहर उरी को भी 2005 के भूकंप में भारी नुकसान पहुंचा था। कश्मीर का इतिहास विनाशकारी भूकंपों से भरा रहा है, क्योंकि यह एक उच्च-भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है। इसके इतिहास में 1555 और 1885 के विनाशकारी भूकंप जैसी प्रमुख घटनाएं शामिल हैं, जिन्होंने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई थी और हजारों लोगों की जान ले ली थी। 30 मई 1885 को बारामूला में आए भूकंप की तीव्रता 6.8 थी, जिसके कारण श्रीनगरध्बारामूला क्षेत्र में 3,000 से अधिक लोगों की मौत हुई और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा था।

महिला आरक्षण बिल पर सियासत तेज, ममता बोलीं-देश को बांटने की कोशिश कर रही भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को संसद के निचले सदन में पारित करने में विफल रहने के बाद भाजपा का पतन शुरू हो गया है। हावड़ा के उलुबेरिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा पराजित हो चुकी है और केवल अपने सहयोगियों के समर्थन से ही सत्ता में बनी हुई है। उन्होंने कहा, भाजपा का पतन शुरू हो गया है। हमने भाजपा को हरा दिया है। उनके पास अपने दम पर बहुमत नहीं है। वे दूसरों के समर्थन से सत्ता में बने हुए हैं। लोकसभा और राज्य



विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के संसदीय चुनावों से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया था। परिसीमन के लिए भाजपा के दबाव बनाने को लेकर, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि वह (भाजपा) देश को बांटना चाहती है। अपनी पार्टी द्वारा महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि तृणमूल की लोकसभा में 36 प्रतिशत और राज्यसभा में 46 प्रतिशत सदस्य महिलाएं हैं। उन्होंने कहा, हमारे जैसी कोई दूसरी पार्टी नहीं है। भाजपा को हमसे सीखना चाहिए। मैं 1998 से महिला आरक्षण के लिए संघर्ष कर रही हूं। बनर्जी ने भाजपा के लिए काम करने वालों को आगाह करते हुए कहा कि पार्टी केंद्र में लंबे समय तक सत्ता में नहीं रह पाएगी।

महिलाओं का "मसीहा" बनने के लिए काम करना होता... प्रियंकाका भाजपा पर पलटवार, कहा- संघीय ढांचे को बदलने की साजिश था विधेयक

नईदिल्ली: कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि यह विधेयक संघीय ढांचे को बदलने का षड्यंत्र था और इसका गिरना संविधान एवं विपक्षी एकजुटता की जीत है। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा की वर्तमान 543 सीट के आधार पर तत्काल लागू कर सकती है और यदि वह ऐसा करती है तो विपक्ष इसका समर्थन करेगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "कल जो हुआ, वह लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ी जीत है, संघीय ढांचे को बदलने की साजिश को हराया गया।" उन्होंने कहा कि विपक्ष की एकता और संविधान की जीत हुई है। प्रियंका



गांधी ने कहा, "पूरी साजिश यही रची गई कि किसी न किसी तरह स्थायी रूप से सत्ता में रहना है। यह काम महिलाओं के नाम पर करने का प्रयास किया गया।" उन्होंने दावा किया कि महिलाओं का "मसीहा" बनने की कोशिश की गई, लेकिन ऐसे नहीं होता और महिलाओं का "मसीहा" बनने के लिए काम करना होता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि यह संविधान संशोधन विधेयक महिला आरक्षण के लिए नहीं था, यह परिसीमन के लिए था और यह बिल्कुल साफ था कि विपक्ष इसे समर्थन नहीं देने वाला था। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, "सरकार के लोग कह रहे हैं कि कल काला दिन था। हां, उनके लिए काला दिन इसलिए है कि उन्हें पहली बार धक्का लगा है।" उन्होंने कहा, "अगर महिला आरक्षण लागू करना है तो 2023 के कानून को लागू कीजिए जिसमें पूरा विपक्ष साथ देगा।" लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया था। सदन में 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', पर हुए मत विभाजन के दौरान इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। लोकसभा में किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। सरकार ने इस विधेयक के साथ 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को भी सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखा था, लेकिन उन्हें भी आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

अमृतसर में ड्रोन से नशा तस्करी का भंडाफोड़, 2.29 किलो हेरोइन और ग्लॉक पिस्तौल बरामद



फिरोजपुर। पंजाब के अमृतसर के थाना लोपोके क्षेत्र में पुलिस और सीमा सुरक्षा बल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल की। इस ऑपरेशन में कुल 2 किलो 290 ग्राम हेरोइन, एक ड्रोन और दो आधुनिक ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई हाल ही में की गई, जिसमें सुरक्षा एजेंसियों ने तस्करी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया। शुरूआती जांच में संकेत मिले हैं कि हेरोइन की खेप पाकिस्तान सीमा पार से भेजी गई थी। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान की जा रही है।

थाना लोपोके पुलिस ने बीएसएफ के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान करीब 2 किलो 290 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया, जिससे तस्करों की गतिविधियों का खुलासा हुआ। इस कार्रवाई ने सीमा पार से हो रही तस्करी पर सख्त संदेश दिया है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। जांच में सामने आया कि तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा था। यह ड्रोन पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में हेरोइन गिराने के लिए भेजा गया था।

लोकसभा में तमिलनाडु की आवाज दबाना चाहती है भाजपा:राहुल



नई दिल्ली। राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर परिसीमन के माध्यम से संसद में तमिलनाडु और अन्य दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व को कम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस कदम को तमिलनाडु की पहचान, भाषा और संस्कृति पर हमला बताते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन इसका पुरजोर विरोध करेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि परिसीमन से संबंधित हालिया संसदीय कदम का उद्देश्य संसद में तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व को कम करना है। आगामी चुनावों से पहले राज्य में अपना प्रचार अभियान तेज करते हुए उन्होंने यह बात कही। तिरुवल्लूर जिले के पोन्नेरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी ने इस कदम को दक्षिणी राज्यों को प्रभावित करने वाली एक व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बताया। क्षेत्रीय चिंताओं का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा राज्य की पहचान को निशाना बना रहे हैं। राहुल ने कहा कि स्वाभाविक रूप से, वर्षों से मेरा तमिलनाडु के लोगों के साथ एक रिश्ता बन गया है। मेरा जन्म तमिलनाडु में नहीं हुआ है, और मेरा परिवार भी तमिलनाडु से नहीं है, फिर भी मैं खुद को तमिलनाडु का ही मानता हूँ। आरएसएस और भाजपा तमिलनाडु, तमिल भाषा और तमिल संस्कृति पर हमला करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे आश्चर्य होता है कि इन लोगों की हिम्मत कैसे हुई तमिलनाडु की तमिल भाषा और संस्कृति पर हमला करने की। संसद में हुए घटनाक्रम पर गांधी ने दावा किया कि इस विधेयक के पीछे एक गुप्त उद्देश्य छिपा है। उन्होंने कहा कि कल संसद में उन्होंने एक नया विधेयक पेश किया। उन्होंने इसे महिला विधेयक बताया, लेकिन वह तो 2023 में ही पारित हो चुका था। उस विधेयक के पीछे छिपा एजेंडा परिसीमन था। इसका मकसद भारत की संसद में तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व को कम करना और दक्षिणी तथा छोटे राज्यों को कमजोर करना था। हमने कल संसद में उस विधेयक को हरा दिया। अपनी व्यापक राजनीतिक स्थिति स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ह्न राज्यों का संघह्व है, जहाँ प्रत्येक राज्य को समान स्थान मिलना चाहिए। संघ में प्रत्येक राज्य की आवाज होनी चाहिए और उसे अपनी भाषा बोलने और अपनी परंपरा की रक्षा करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। भाजपा के शासन के तरीके की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री एक राष्ट्र, एक नेता, एक भाषा, एक जनता की बात करते हैं, तो वे भारत के संविधान पर हमला कर रहे होते हैं। चुनाव से पहले इंडिया ब्लॉक को बढ़ावा देते हुए गांधी ने जोर देकर कहा कि गठबंधन केंद्रीकृत नियंत्रण के किसी भी प्रयास का विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस दिल्ली से तमिलनाडु को नियंत्रित करना चाहते हैं।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
रविवार, 19 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

वोट के लिए मुफ्त की रेवड़ी से कर्जे के अंधकूप में देश

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से-तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकड़ना सिखाओ और तुम उसे ज़िंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी-रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनैतिक दलों में मुफ़्त की रेवड़ी बाँटने की होड़ लग जाती है। कोई मुफ़्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी।

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर भी निराशा जताई।

मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए विदियाल पयानम योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अलावा, छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1,782 करोड़ रुपये और डीजल सब्सिडी के लिए 1,857 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13,062 करोड़ रुपये मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5,463 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दशार्ता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपये कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है।

ज्वालाडीह का ब्रेड रायट

(एक कहानी)



यह भूख और इज्जत से पैदा हुई एकबगावत की कहानी है। बगावत की पहली निशानी कोई नारा नहीं था। वह एक खाली बर्तन था। ज्वालडीह में, जो धान के खेतों और ईंट के भट्ठों से घिरा एक धूल भरा बाजार वाला शहर था, सुरबाला सूरज उगने से पहले उठकर चावल का बर्तन चूल्हे पर रख देती थी, तब भी जब उसे पता होता था कि आग जलाने लायक चावल नहीं है। वह यह अपने बच्चों के लिए करती थी। एक माँ की उम्मीद अक्सर प्यार से बोले गए झूठ से शुरू होती है।

उसकी झोपड़ी के बाहर, सर्दियों की हवा में धुएं, भूख और कुछ और भी गहरा–गुस्से की गंध आ रही थी। महीनों से, कीमतें बेरहम सीढ़ी की तरह चढ़ रही थीं। मुट्ठी भर चावल की कीमत दोगुनी हो गई थी। सरसों का तेल दवा की तरह कीमती हो गया था। दालों का राशन दिया जाता था। और फिर भी, टैक्स वसूलने वाले आते थे–हमेशा समय पर, हमेशा कागजी अधिकार के साथ। ह्रूपे करो, वे कहते थे। जैसे भूख पहले से ही पेमेंट नहीं थी।

सुरबाला की पड़ोसी, रमनी ने एक बार कड़वाहट से मजाक में कहा था, अगर वे हमारी सांसों पर टैक्स लगा सकते, तो लगाते। और शायद वे ऐसा करते, अगर सांस को मापा जा सकता।

रंजीत मेन बाजार के पास अनाज की दुकान पर काम करता था। वह मानता था कि कड़ी मेहनत ही काफी है। उसके पिता ने उसे सिखाया था कि मेहनत में इज्जत होती है, शिकायतों में नहीं।

लेकिन रंजीत को एक और सच्चाई पता चलने लगी थीः बिना इंसाफ के मेहनत धीरे-धीरे हिंसा बन जाती है।

हर दिन वह अनाज को बोरियों में नापता, व्यापारी का गोदाम भरता हुआ देखता जबकि गाँव वालों के कटोरे खाली होते जाते। दुकान के मालिक, केदार सेठ ने गेहूँ जमा करना शुरू कर दिया था। वह तभी बेचता जब कीमतें और बढ़तीं।

बिजनेस, केदार सेठ ने अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए कहा। डिमांड और सप्लाई। रंजीत ने बूढ़ी औरतों को कांपते हाथों से सिक्के गिनते और फिर अपनी जरूरत का आधा लेकर जाते देखा।

एक दोपहर, सुरबाला आई। बेटा, उसने गुजारिश की, मुझे दो किलो दे दो। मैं अगले हफ़्ते पैसे दूँगी।

केदार सेठ हँसा। अगले हफ़्ते? तुम्हारा पति कुछ नहीं कमाता। जाओ नदी से भीख माँगो।

रंजीत को अपने अंदर कुछ टूटता हुआ महसूस हुआ। गुस्सा नहीं–गुस्सा जोर से था। यह ज्यादा ठंडा, ज्यादा तीखा थाः नफरत। उसने सुरबाला को चुपके से अनाज दिया और अपनी जेब से पैसे दिए। उस रात उसने अपने दोस्त धनंजय से कहा, अगर भूख नॉर्मल हो जाए, तो क्रूरता कानून बन जाती है।

धनंजय एक स्कूल टीचर था, लेकिन ज्वालडीह में इतिहास पढ़ाना उसे मजाक जैसा लगता था। वह 1381 के किसानों के विद्रोह के बारे में पढ़ाता था–कैसे लोग टैक्स और सामंती जुल्म के खिलाफ उठे, कैसे भूख ने डर को गुस्से में बदल दिया। उसके स्टूडेंट्स आँखें फाड़े सुनते थे।

लेकिन क्लास के बाद, धनंजय असली भूख से तड़पते हुए घर लौटा। उसे 1830 और 1848 के यूरोप के संकटों के बारे में पढ़ना याद था–जब ब्रेड के दाम बढ़े, नौकरियाँ चली गईं, और भीड़ सड़कों पर उतर आई। उसे याद था कि कैसे निराशा बागी नहीं बनाती–यह सिर्फ.उन्हें जगाती है।

ज्वालडीह में भी वही पैटर्न सामने आ रहा थाः बहुत ज्यादा गरीबी, ज्यादा टैक्स, और व्यापारियों और अधिकारियों द्वारा खाने की कमी का फायदा उठाना। बगावत के लिए चीजें तैयार थीं, चुपचाप उबल रही थीं। धनंजय ने कहा, बस एक ही चीज की कमी है, वो है चिंगारी।

मनीष शहर का कांस्टेबल था। उसने खाकी रंग को ढाल की तरह पहना था, लेकिन अंदर से वो उन लोगों से अलग नहीं था जिन्हें वो कंट्रोल करता था। उसकी सैलरी में देरी हो रही थी। उसकी पत्नी ने अपने गहने गिरवी रख दिए थे। उसके छोटे बेटे ने दूध मांगना बंद कर दिया था। फिर भी उसका काम ऑर्डर बनाए रखना था–जिसका मतलब था अमीरों को भूखों से बचाना।

एक दिन, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने उसे चेतावनी दी, कोई प्रोटेस्ट नहीं। अगर कोई परेशानी खड़ी करे, तो उसे अरेस्ट कर लो। यह एक सेंसिटिव समय है।

सेंसिटिव समय–दूसरे शब्दों में: गरीब जागने लगे थे। मनीष ने सिर हिलाया, लेकिन उसका दिल नहीं माना। वह भी ऐसी ही गरीबी में बड़ा हुआ था। वह जानता था कि पेट में भूख कैसी लगती है–जैसे कोई हाथ मरोड़ रहा हो। वह जानता था कि बेइज्जती कैसी लगती है–जैसे जहर।

कभी-कभी वह सोचता थाः अगर मैं उन पर अपनी लाठी से मारूंगा, तो क्या मैं अपने बचपन पर मार रहा हूँ?

विद्रोहों में, औरतें अक्सर बैकग्राउंड के तौर पर दिखाई देती हैं। लेकिन ज्वालडीह में, औरतें ही सबसे पहले भूख को गिनती थीं, क्योंकि औरतें ही खाना गिनती हैं। औरतें आखिरी दाने को जानती हैं। औरतें जानती हैं कि कब उम्मीद नामुमकिन हो जाती है। रमणी रोज बाजार जाती थी, सस्ते ऑप्शन ढूंढती थी जैसे कोई सैनिक ज़िंदा रहने के लिए खोजता है।

नूतन, जो ज्यादा जवान और हिम्मती थी, ईंट के भट्टे पर काम करती थी जहाँ बार-बार मजदूरी कम कर दी जाती थी। नूतन ने कहा, वे हमारा पसीना वैसे ही लेते हैं जैसे मिट्टी लेते हैं। फिर वे कहते हैं कि हम आलसी हैं।

एक दिन भट्टे के मालिक ने कहाः इस महीने कोई कैश नहीं। सिर्फ. अनाज। और वह अनाज भी वादे से कम था। नूतन ने अपनी छाले वाली हथेलियों को देखा और कुछ ऐसा कहा जो जंगल की आग की तरह फैल गयाः हम जानवर नहीं हैं जिन्हें चारे से पैसे दिए जाएं।

जब औरतें इस तरह बोलने लगती हैं, तो समाज हिलने लगता है। बगावत टैक्स वाले दिन शुरू हुई।

टैक्स कलेक्टर दो असिस्टेंट और एक बहीखाते के साथ आया जो उसके दिल से भी भारी लग रहा था। उसने उन किसानों से पेमेंट मांगा जिनकी फसलें सूखे में बर्बाद हो गई थीं और उन मजदूरों से जो पहले से ही कर्ज.में जी रहे थे। सुरबाला अपनी झोपड़ी के बाहर खड़ी थी, बच्चे उसके पीछे थे। मेरे पास कुछ नहीं है, उसने कहा। कलेक्टर मुस्कुराया। अपनी चूड़ियाँ बेच दो।

रामनी पीछे से चिल्लाई, उसके पास चूड़ियाँ नहीं बचीं! क्या तुम अब उसका खून बेचोगी? कलेक्टर ने रमनी को थप्पड़ मारने के लिए हाथ उठाया।

थप्पड़ लगने से पहले ही रंजीत ने उसकी कलाई पकड़ ली। उसे मत छूना, रंजीत ने कहा। कलेक्टर की आँखें चौड़ी हो गईं। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई– फिर धनंजय आगे बढ़ा।

तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? उसने धीरे से कहा। खाली पेटों से टैक्स मांगने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? भीड़ जमा हो गई जैसे सदियों के अन्याय ने उसे बुलाया हो। और अचानक, सड़कों को इतिहास याद आ गया। किसी ने पत्थर फेंका। किसी ने चिल्लाया, बस बहुत हुआ! किसी ने चिल्लाया, रोटी!

कलेक्टर ने भागने की कोशिश की। लेकिन भीड़ ने बदला लेने के लिए उनका पीछा नहीं किया। उन्होंने उनकी इज्जत के लिए उनका पीछा किया।

बाजार में हंगामा मच गया। केदार सेठ की अनाज की दुकान को घेर लिया गया। खोलो इसे! लोग चिल्लाए। केदार सेठ डरे हुए अपनी बालकनी में खड़े थे। यह प्राइवेट प्रॉपर्टी है!

धनंजय ने उनकी तरफ देखा। जब लोग भूखे मर रहे हों, उन्होंने कहा, तो आपकी प्राइवेट प्रॉपर्टी पब्लिक क्राइम बन जाती है।

रंजीत ने खुद ताला तोड़ा, हाथ कांप रहे थे–हिंसा से नहीं, बल्कि नैतिक भरोसे से। अनाज के बोरे बाहर खींचे गए।

सुरबाला अपने हाथों में गेहूं पकड़े हुए रो पड़ी। ऐसा लगा जैसे जान पकड़ ली हो। नूतन ने मुट्ठी बांध ली। हम चुपचाप भूखे नहीं मरेंगे! वह चिल्लाई।

रमणि की आवाज ढोल की तरह तीखी हो गईः हम इस शहर को खाना खिलाते हैं। फिर भी हम ही भूखे सोते हैं!

मनी पुलिसवालों के साथ आया। उसने भीड़, अनाज की बोरियां, गुस्सा देखा। मजिस्ट्रेट का ऑर्डर उसके कानों में गूंज रहा थाः उन्हें कुचल दो।

लेकिन उसने अपने सामने जो देखा वे क्रिमिनल नहीं थे। उसने सुरबाला को देखा–वही औरत जो कभी गर्मियों में उसे पानी देती थी। उसने नूतन को देखा–जिसका भाई भट्टे पर मर गया था। उसने रंजीत को देखा–मजदूर वर्ग का, ईमानदार, जिसका कोई क्राइम हिस्ट्री नहीं था। उसने धनंजय को देखा–टीचर, इज्जतदार।

उसने अपना डंडा उठाया। उसका हाथ काँप रहा था। फिर उसने उसे नीचे कर दिया। उन्हें मत मारो, उसने अपने पुलिसवालों को ऑर्डर दिया।

एक ऑफिसर ने कहा, सर, मजिस्ट्रेट ने कहा– मनीष ने उसे बीच में ही टोक दिया। मजिस्ट्रेट को भूख का पता नहीं है। मुझे पता है।

वह भीड़ की तरफ मुड़ा। घर जाओ, उसने कहा। जो चाहिए ले लो। लेकिन शहर को मत जलाओ।

एक पल के लिए भीड़ उसे घूरती रही। फिर धनंजय ने सिर हिलाया। यूनिफॉर्म में भी, उसने कहा, एक आदमी इंसानियत चुन सकता है।

विद्रोह दो दिन तक चला। फिर जिले से फोर्स आई। गिरफ्तारियाँ हुईं। पूछताछ हुई। अखबारों ने बेकाबू गरीबों को दोषी ठहराया। रंजीत को हिरासत में लिया गया। धनंजय को सस्पेंड कर दिया गया। नूतन को एक ऑफिसर ने सबके सामने थप्पड़ मारा।

सुरबाला रो पड़ी, यह सोचकर कि सब कुछ खो गया। लेकिन कुछ हमेशा के लिए बदल गया था। गरीबों ने अपनी आवाज खोज ली थी। आप उस खोज को वापस चुप्पी में नहीं बदल सकते।

एक हफ्ते बाद, एक डेलीगेशन आया। अनाज जमा करने की जाँच की गई। टैक्स में कुछ समय के लिए राहत दी गई। सैलरी पर बात हुई। छोटी-मोटी जीतें। काफी नहीं। लेकिन बगावत सिर्फ. जीत के बारे में नहीं होती। वे जागरुकता के बारे में होती हैं।

एक शांत शाम को, वे नदी के किनारे इकट्ठा हुए। रंजीत लौट आया था, पतला लेकिन बिना थके। धनंजय ने अपनी पुरानी हिस्ट्री की किताब पकड़ी हुई थी। मनीष अलग बैठा था, अभी भी यूनिफॉर्म में था लेकिन उसका चेहरा नरम था। सुरबाला अपने बच्चों को रोटी खिला रही थी। रमनी औरतों को ऑर्गनाइज करने के बारे में बात कर रही थी। नूतन क्षितिज की ओर ऐसे देख रही थी जैसे किसी दूसरी दुनिया की कल्पना कर रही हो।

धनंजय ने धीरे से कहाः क्या तुम जानते हो कि बगावत क्यों होती रहती है? इंग्लैंड में, यूरोप में, इंडिया में?

सबने उसकी तरफ देखा। क्योंकि शासक भूल जाते हैं, उसने जवाब दिया। वे भूल जाते हैं कि भूख सिर्फ.दर्द नहीं है। भूख पॉलिटिक्स भी है। भूख गुस्सा भी है। भूख एक टीचर भी है। रंजीत ने आगे कहा, और जब भूख सिखाती है, तो लोग बगावत सीखते हैं। सुरबाला ने अपने बच्चों की तरफ देखा और धीरे से कहाः अगली बार, हम भीख नहीं मांगेंगे। और ज्वालडीह में, एक ऐसे आसमान के नीचे जिसने सदियों तक अन्याय देखा था, एक नया विचार पनपाः जब लोग रोटी नहीं खरीद पाते, तो वे राजाओं से डरना बंद कर देते हैं।



डॉ. समीरण कुमार पॉल
पूर्व विभागाध्यक्ष (अंग्रेजी), संकायाध्यक्ष (मानविकी) एवं प्राचार्य (श्री राघव प्रसाद सिंह कॉलेज जैतपुर) बाबा साहब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्व विद्यालय , मुजफ्फरपुर

टीका टिप्पणी

कक्षा 8 सामाजिक विज्ञान पाठ्य पुस्तक विवाद

NCERT की कक्षा 8 सामाजिक विज्ञान पाठ्य पुस्तक विवाद को लेकर समय-समय पर विवाद सामने आते रहे हैं। इन विवादों का संबंध मुख्यतः इतिहास की व्याख्या, कुछ अध्यायों के संशोधन/हटाने, तथा घटनाओं की प्रस्तुति के दृष्टिकोण से जुड़ा रहा है। इस संबंध में हालिया विवाद पाठ्य पुस्तक में " न्यायापालिका की भूमिका" से संबंधित एक अध्याय को लेकर है जिसे सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए पाठ्य पुस्तक पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय दिया है। इस प्रकरण को गहराई से समझना जरूरी है :

क्या हुआ? (संदर्भ और कारण)

सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2025-26 में प्रकाशित NCERT की कक्षा 8 सामाजिक विज्ञान की पुस्तिका "Exploring Society: India and Beyond, Vol II पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। इसका कारण था कि इसमें न्यायपालिका की भूमिका पर एक अध्याय था जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार, मामलों में लंबितता, और जजों की कमी जैसे विषयों का उल्लेख था। कोर्ट ने इसे न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को हानि पहुँचाने वाला और पक्षपातपूर्ण बताया।

सुप्रीम कोर्ट नेः

-पुस्तक की छपाई, पुनर्मुद्रण और डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया।

-सभी प्रतियाँ जब्त करने और व असरहित करने के निर्देश दिए।

-NCERT और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस जारी किए कि क्यों Contempt of Court कार्रवाई न हो।

-कोर्ट ने कहा कि कोई भी व्यक्ति न्यायपालिका को बदनाम नहीं कर सकता, और यह सामग्री प्रभावशाली उम्र (13-14 वर्ष) में छात्रों पर गलत प्रभाव छोड़ सकती है।

इस प्रकरण का विश्लेषण करें तो निम्नलिखित तथ्य सामने आयेंगे

1. शिक्षा में आलोचनात्मक विचार की आवश्यकता

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ तथ्यों का वर्णन ही नहीं बल्कि छात्रों को समाज और संस्थाओं की वास्तविक चुनौतियाँ समझाना भी है।

अगर एक शैक्षिक पाठ्यपुस्तक न्यायपालिका के सामने आने वाली समस्याओं का उल्लेख करती है (जैसे कहीं-कहीं भ्रष्टाचार, लंबित मामलों की संख्या), तो इसे पूरी तरह वर्जित मान लेना शिक्षा की आलोचनात्मक क्षमता को सीमित कर सकता है।

बच्चों को सही तथ्यों और समस्याओं का सामना करने के लिए सही संदर्भ और संतुलन के साथ पढ़ना आवश्यक है – न कि पूरी तरह से हतोत्साहित करना।

2. स्वायत्त शिक्षण संस्थान की भूमिका

NCERT को सरकार द्वारा पूर्ण स्वतंत्रता देकर पाठ्य सामग्री तैयार करने के लिए बनाया गया है, ताकि वह विषय-विशेष के व्यावसायिक और अकादमिक मानकों के अनुरूप किताबें तैयार करे।

पाठ्य सामग्री में अगर अनियमितता या पक्षपात होता है, तो सुधार निश्चित ही आवश्यक है, परंतु प्रतिबंध की दिशा में सत्ता द्वारा सीधे हस्तक्षेप शिक्षा के स्वतंत्र सर्वेक्षण सिद्धांतों पर प्रश्नचिन्ह उठाता है। यदि कोई अध्याय एक-तरफा या अधूरा है, तो समीक्षा और संशोधन होना चाहिए, पूर्ण प्रतिबंध नहीं।

3. संतुलन और संदर्भ अभाव

बैन का मुख्य कारण यही दिखता है कि केवल न्यायपालिका की आलोचना बिना इसके सकारात्मक पक्ष, सुधार प्रयास और उसके संवैधानिक महत्व की चर्चा के शामिल किए बिना प्रस्तुत की गई है।

अगर यह अध्याय समग्र और संतुलित विश्लेषण के साथ होता – जिसमें न्यायपालिका के संरचनात्मक सुधार, नागरिकों की पहुँच, और न्यायपालिका के सकारात्मक योगदान भी चर्चा में हों – तो यह आलोचना की जगह ज्ञानवर्धन सामग्री हो सकती थी।

4. शिक्षा **52** संस्थागत प्रतिष्ठा

संस्थागत प्रतिष्ठा की रक्षा आवश्यक है, परन्तु इंतजाम और आलोचना का संतुलन भी शिक्षा-व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर छात्रों से संस्थाओं के विषय में सिर्फ अच्छाई ही पढ़ाई जाए, तो वे वास्तविक सामाजिक समस्याओं को समझने और सुधार की दिशा में सोचने में सक्षम नहीं होंगे।

निष्कर्ष

सुप्रीम कोर्ट का प्रतिबंध संस्थागत प्रतिष्ठा और अनुशासन की रक्षा के दृष्टिकोण से समझा जा सकता है। तथापि शिक्षा की स्वतंत्रता, आलोचनात्मक सोच और व्यापक तथ्यात्मक प्रस्तुति के सिद्धांतों को ध्यान में रखकर ही पाठ्य सामग्री का निर्माण होना चाहिए। प्रतिबंध की बजाय संतुलित समीक्षा-संशोधन अधिक उपयुक्त और शैक्षिक रूप से सकारात्मक कदम माना जा सकता है।

सुजीत कुमार , शिक्षक,
ब्राह्मणटोली , मुजफ्फरपुर

इस क्षेत्रीय युद्ध को वैश्विक संकट में बदलते हुए देर नहीं लगेगी

सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यदि वहां अवरोध पैदा होता है तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट सकती है। तेल की कीमतों में उछाल केवल बाजार का आंकड़ा नहीं होता, वह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर देता है। पश्चिम एशिया एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा है और इस बार चिंगारी किसी सीमा विवाद या छाया संघर्ष की नहीं, बल्कि खुली सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिका और इजराइल ने जिस समन्वित अभियान के तहत ईरान पर प्रहार किया है, उसने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन को झकझोर दिया है। सवाल यह है कि क्या यह कदम वास्तव में परमाणु खतरे को रोकने के लिए था, या फिर पश्चिम एशिया की राजनीति को अपने अनुकूल ढालने की एक सुनियोजित चाल है?

तेहरान पर सीधे हमले, सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने की कोशिश और शासन परिवर्तन के संकेत, यह सब किसी सीमित सैन्य कार्रवाई की परिभाषा में नहीं आता। यह शक्ति प्रदर्शन है। यह संदेश है कि जो अमेरिकी रणनीति के खिलाफ खड़ा होगा, उसे सैन्य कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाहरी हस्तक्षेप से पैदा हुई अस्थिरता अक्सर नियंत्रण से बाहर हो जाती है। इराक और अफगानिस्तान के अनुभव अभी पुराने नहीं हुए हैं। ईरान का जवाब भी उतना ही आक्रामक है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना और खाड़ी देशों तक मिसाइलों की पहुंच दिखाना यह बताता है कि संघर्ष सीमित नहीं रहेगा। यदि खाड़ी के देश भी अपनी जमीन पर हुए हमले के विरोध में ईरान के खिलाफ सीधे युद्ध में उतरते हैं तो यह आग कई सीमाओं को लांघ सकती है। इससे समुद्री मार्गों, तेल आपूर्ति और सामरिक जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ेगा जिससे संकट केवल क्षेत्रीय स्तर पर नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर फैल जायेगा।

सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यदि वहां अवरोध पैदा होता है तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट सकती है। तेल की कीमतों में उछाल केवल बाजार का आंकड़ा नहीं होता, वह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर देता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं, वह सीधे प्रभावित होंगे। महंगाई बढ़ेगी, राजकोषीय दबाव बढ़ेगा और आम नागरिक की जेब पर बोझ पड़ेगा। यह भी स्पष्ट है कि इस टकराव का असर केवल सैन्य या आर्थिक नहीं है। हवाई क्षेत्र बंद हो रहे हैं, उड़ानें रद्द हो रही हैं, प्रवासी समुदायों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा का प्रश्न हमारे लिए केवल कूटनीतिक मुद्दा नहीं, मानवीय दायित्व भी है।

सबसे खतरनाक पहलू यह है कि बड़ी शक्तियां अलग अलग खेमों में बंटती दिख रही हैं। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है और अन्य शक्तियां भी खुलकर पक्ष लेने लगती हैं, तो यह टकराव बहुध्रुवीय युद्ध का रूप ले सकता है। विश्व युद्ध शब्द का प्रयोग भले अभी अतिशयोक्ति लगे, पर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक गठबंधनों पर पड़ने वाला प्रभाव इसे विश्वव्यापी संकट अवश्य बना सकता है।

बहरहाल, आज जरूरत है संयम की, संवाद की और कूटनीतिक साहस की। शक्ति प्रदर्शन से अस्थायी बढ़त मिल सकती है, स्थायी शांति नहीं। यदि पश्चिम एशिया को फिर से युद्धभूमि बनाया गया, तो उसकी कीमत केवल वहां के लोग नहीं, पूरी दुनिया चुकाएगी। भारत को संतुलित, दृढ़ और दूरदर्शी कूटनीति के साथ अपनी ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। देखा जाये तो युद्ध की आंधी में विवेक ही सबसे बड़ा हथियार होता है।

–नीरज कुमार दुबे

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक "**गिलेडविन मसीह**" के लिए "**बुलंद मंज़िल**" हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
अमरोहा
संभल
रविवार, 19 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

जनता के सामने जवाबदेही–डीएम ने लापरवाह विभागों को लगाई फटकार





दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। तहसील अमरोहा के ब्लॉक सभागार में आयोजित ह्यसम्पूर्ण समाधान दिवसह्व इस बार केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रशासनिक सख्ती और जवाबदेही का मंच बन गया। जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स ने जनसुनवाई के दौरान साफ शब्दों में कहा कि शिकायतों का निस्तारण कागजों में नहीं, जमीन पर दिखना चाहिए–और सबसे अहम, उससे शिकायतकर्ता संतुष्ट होना चाहिए। डीएम ने पूर्व में आई शिकायतों की समीक्षा करते हुए कुछ विभागों के कार्य पर असंतोष जताया। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी भरे अंदाज में निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, अन्यथा जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि ह्यआमजन की समस्या का समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।ह्व इस समाधान दिवस में कुल 27 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें राजस्व विभाग की 6, पुलिस की 8, नगर पालिका और आपूर्ति विभाग की 4-4, विद्युत विभाग की 4 तथा विनियमित क्षेत्र की 1 शिकायत शामिल रही। खास बात यह रही कि इनमें से 4 मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जिससे लोगों को तत्काल राहत मिली। भूमि संबंधी जटिल मामलों को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजने के निर्देश दिए, ताकि विवादों का स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्ष समाधान किया जा सके। उन्होंने शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए पारदर्शिता और समयबद्धता पर विशेष जोर दिया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने भी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन शिकायतों को प्राथमिकता दें और त्वरित, निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करें। समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेन्द्र सिंह सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। कुल मिलाकर यह आयोजन प्रशासन की सख्ती, संवेदनशीलता और जवाबदेही का स्पष्ट संदेश देता नजर आया।

सड़क पर स्टंट नहीं, नियमों का पालन जरूरी : अमरोहा में ट्रैफिक पुलिस का सख्त अभियान





दैनिक बुलंद मंज़िल /जितेन्द्र यादव

अमरोहा। जनपद की सड़कों पर नियम तोड़ने वालों के लिए शनिवार का दिन भारी पड़ गया, जब यातायात पुलिस ने पूरे जनपद में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर लापरवाह वाहन चालकों पर कड़ा शिकंजा कसा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चले इस अभियान ने यह साफ संदेश दिया कि अब ट्रैफिक नियमों से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुबह से ही शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर तैनात पुलिस टीमों ने एक-एक वाहन की बारीकी से जांच की। इस दौरान सबसे ज्यादा निशाने पर रहे वे चालक, जो अपनी गाड़ियों में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाखों जैसी तेज आवाज निकाल रहे थे। पुलिस ने ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चालान काटे और चेतावनी भी दी कि दोबारा ऐसा करने पर वाहन जब्त तक किया जा सकता है। अभियान के दौरान बिना हेल्मेट बाइक चलाने वाले, तीन सवारी बैठाकर जोखिम उठाने वाले, मानक के विपरीत नंबर प्लेट लगाने वाले और वाहनों पर जातिसूचक शब्द लिखकर नियमों का उल्लंघन करने वालों को भी नहीं बख्शा गया। कुल 332 चालान मोटर वाहन अधिनियम के तहत किए गए, जिससे पूरे शहर में हड़कंप मच गया। इसके अलावा जोया चौराहे पर नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने की कोशिश की गई। अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई से लोगों को जाम से राहत मिली और आवाजाही आसान हुई। मोडिफाइड साइलेंसर और हूटर के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में 18 वाहन चालकों के खिलाफ अलग से चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि सड़क हादसों पर लगाम लगाई जा सके और आम जनता सुरक्षित सफर कर सके। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नियमों का पालन करें, क्योंकि सुरक्षित सफर ही जिम्मेदार नागरिक की पहचान है।

भड़काऊ सोशल मीडिया संदेश पर 8 के खिलाफ मुकदमा, जांच शुरू



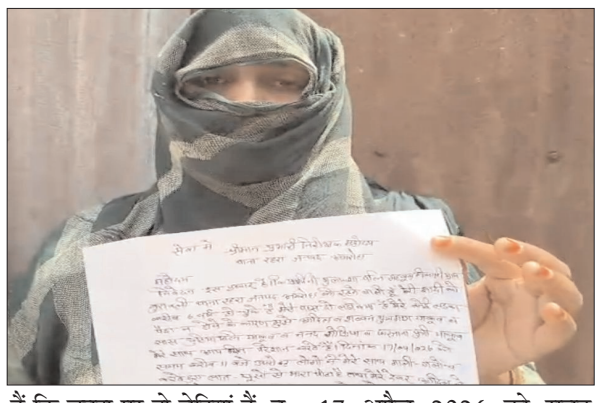
दैनिक बुलंद मंज़िल गजरौला। सोशल मीडिया पर भड़काऊ और उत्तेजक संदेश वायरल कर गजरौला की विभिन्न कंपनियों में काम करने वाले मजदूरों को उकसाने के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। थाना गजरौला पुलिस ने उपनिरीक्षक की तहरीर के आधार पर आठ नामजद लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के सामने आने के बाद औद्योगिक क्षेत्र में हलचल मच गई है और प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र में गश्त और चेकिंग के दौरान उपनिरीक्षक को विभिन्न माध्यमों से सूचना मिली कि कुछ लोग सोशल मीडिया के जरिए कंपनियों में कार्यरत मजदूरों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। इन लोगों द्वारा एक संदेश प्रसारित किया गया, जिसमें मजदूरों को अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर 17 अप्रैल को ह्यगजरौला बंदह्व करने की अपील की गई थी। संदेश में यह भी कहा गया था कि जब तक मजदूरों की सैलरी में बढ़ोतरी लागू नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और कंपनियों के गेट पर ताले लगाए जाएंगे। पुलिस के अनुसार, यह संदेश तेजी से विभिन्न कंपनियों में कार्यरत मजदूरों के मोबाइल फोन तक पहुंचा, जिससे उनके बीच आक्रोश और असंतोष फैलने की आशंका उत्पन्न हो गई। गोपनीय सूचना के आधार पर यह भी संकेत मिले कि इस संदेश के कारण मजदूरों में आंदोलन की तैयारी चल रही थी, जिससे क्षेत्र की शांति व्यवस्था प्रभावित हो सकती थी। तहरीर में जिन आठ व्यक्तियों को नामजद किया गया है, उनमें मोहित त्यागी, गौतम सिंह, अंकुश, अरमान, सचिन, शिवम, मनीष और गगन शर्मा शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि इन सभी ने मिलकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग करते हुए भड़काऊ और अफवाह फैलाने वाले संदेश प्रसारित किए, जो कानून व्यवस्था के लिए खतरा बन सकते थे। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) की धारा 192 और 353(1) के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 67 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के संदेश समाज में अस्थिरता पैदा करते हैं और औद्योगिक माहौल को बिगाड़ सकते हैं, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों की भूमिका की गहनता से पड़ताल की जा रही है। साथ ही, सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है ताकि इस तरह के अन्य भड़काऊ संदेशों को समय रहते रोका जा सके। इधर, औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोगों और कंपनी प्रबंधन ने भी इस घटना को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यदि इस प्रकार के संदेशों को समय रहते नियंत्रित न किया जाए तो इससे उत्पादन और रोजगार पर भी असर पड़ सकता है। वहीं, कुछ मजदूरों का कहना है कि वे किसी भी तरह के अवैध या हिंसक आंदोलन के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उचित मंच की आवश्यकता जरूर है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के भड़काऊ या अफवाह फैलाने वाले संदेशों को साझा न करें और ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन का कहना है कि शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है और कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मौत बनकर टूटा तार, भैंस समेत दो पशुओं की दर्दनाक मौत



दैनिक बुलंद मंज़िल आदमपुर। क्षेत्र के गांव निरयाबली खादर में शनिवार सुबह करीब 9 बजे एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जिसने एक किसान परिवार की जिंदगी को पलभर में बदल दिया। किसान राजबहादुर (पुत्र कुमारपाल सिंह) के घर के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार विद्युत पोल रोकने वाली स्टे से टच हो गया। चश्मदीदों के मुताबिक, तार पहले स्टे पर आ गिरा और फिर अर्थिंग के संपर्क में आते ही पूरे क्षेत्र में तेज करंट दौड़ गया। इस हादसे की चपेट में आकर घर के बाहर बंधी एक भैंस और एक कटिया की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों पशुओं की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये थी। घटना इतनी अचानक हुई कि परिवार को संभलने तक का मौका नहीं मिला। पशु तड़पते रहे और कुछ ही क्षणों में दम तोड़ दिया। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। किसान की पत्नी मालती का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार बेसुध हो रही है और अपने पशुओं को परिवार का सदस्य बताते हुए बिलख रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यही पशु परिवार की आजीविका का मुख्य सहारा थे, जिनकी मौत ने परिवार को आर्थिक संकट में धकेल दिया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद कई बार बुरावली बिजली घर पर फोन किया गया, लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं की। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती, तो नुकसान कम हो सकता था। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसान को तत्काल मुआवजा दिलाने और बिजली विभाग की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही जर्जर बिजली लाइनों की जांच कर उन्हें शीघ्र बदलने की अपील की गई है। यह हादसा बिजली व्यवस्था की बड़ी चूक को उजागर करता है।

बेटा नहीं, इसलिए नहीं रखेंग : धमकियों के साए में जी रही विवाहिता, दो मासूम बेटियों संग मांगी सुरक्षा



दैनिक बुलंद मंज़िल रहरा। समाज में बेटा-बेटी के भेदभाव की कड़वी हकीकत एक बार फिर सामने आई है, जहां एक विवाहिता को सिर्फ इसलिए प्रताड़ित किया जा रहा है क्योंकि उसके घर बेटा नहीं हुआ। रहरा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। पीड़िता के अनुसार, उसकी शादी को करीब छह वर्ष हो चुके हैं और उसकी दो छोटी बेटियां हैं–एक चार साल की और दूसरी दो साल की। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग अक्सर उसे ताना मारते हैं कि ह्यतुझ पर दो बेटियां हैं, तू गरीब घर की है, तेरे घर वालों ने दहेज कम दिया है, हम तुझे नहीं रखेंगेह्व महिला का कहना है कि उसे मानसिक रूप से तोड़ा जा रहा है और बार-बार घर से निकालने की धमकी दी जाती है। तहरीर में यह भी उल्लेख है कि 17 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 11 बजे उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि देवर ने उसके सीने पर तमंचा रखकर जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, उसे यह कहकर डराया गया कि ह्यतू घर में अकेली रहती है, तेरे साथ गलत काम कर देंगे या कुछ लड़के छोड़ देंगे, हमारा कुछ नहीं बिगड़ेगा, कानून और पुलिस हमारी जेब में है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति की दूसरी शादी कराने की कोशिश की जा रही है। इन सब घटनाओं के बीच वह अपने दोनों मासूम बच्चों के साथ असुरक्षित माहौल में रहने को मजबूर है। पीड़िता का कहना है, ह्यमैं चाहे मर जाऊं, लेकिन अपने बच्चों के साथ ससुराल में ही रहूंगी, कहीं और नहीं जाऊंगी। थाना रहरा प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार प्रधान ने बताया मामला संज्ञान में जांच कर कार्यवाही की जा रही है।

शराब के नशे में मनचलों का कहर: बाजार से लौट रही युवतियों से मारपीट, जान से मारने की धमकी



दैनिक बुलंद मंज़िल मंडी धनौरा ब्यूरो। थाना क्षेत्र में मनचलों की दबंगई का मामला सामने आया है, जहां बाजार से घर लौट रही दो युवतियों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है, वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बा मण्डी धनौरा के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने थाना मण्डी धनौरा में तहरीर देकर बताया कि दिनांक 16 अप्रैल की रात करीब 8 बजे उनकी पुत्री और भांजी बाजार से सामान खरीदकर घर लौट रही थीं। आरोप है कि जैसे ही दोनों अपने घर के पास पहुंचीं, वहां पहले से शराब के नशे में खड़े राहुल और प्रिंस उर्फ लल्ला ने उन्हें रोक लिया और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़िताओं द्वारा विरोध करने पर आरोपियों का व्यवहार और उग्र हो गया। दोनों युवकों ने युवतियों के साथ मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जाते-जाते आरोपियों ने दोनों को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना मण्डी धनौरा पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस घटना ने एक बार फिर से क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और ऐसे असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शादी का झांसा, शोषण और धोखाधड़ी : हसनपुर में महिला ने लगाई न्याय की गुहार



दैनिक बुलंद मंजिल हसनपुर। नगर से धोखाधड़ी और यौन शोषण का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। रहरा थाना क्षेत्र के एक युवक पर एक महिला ने शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने और उसका घर उजाड़ने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी धीरेंद्र प्रताप सिंह को शिकायत पत्र सौंपकर न्याय की मांग की। महिला के अनुसार, आरोपी ने उसे प्रेम जाल में फंसाकर शादी का वादा किया था। इसी विश्वास में आकर उसका अपने पति से रिश्ता टूट गया। पीड़िता का एक 12 वर्षीय बेटा भी है। आरोप है कि युवक उसे हसनपुर में किराए के मकान में रखकर लगातार दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने यह भी गंभीर आरोप लगाए हैं कि आरोपी ने कई बार उसे दवाएं देकर जबरन गर्भपात कराया। जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने चुपचाप दूसरी शादी कर ली और उसे बेसहारा छोड़कर फरार हो गया। विरोध करने पर आरोपी और उसके भाइयों ने महिला के साथ मारपीट और गाली-गलौज की, साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच जारी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खाकी बनी उम्मीद की किरण : 10 नन्हे कदम पहुंचे स्कूल की दहलीज तक



दैनिक बुलंद मंज़िल /जितेंद्र यादव

अमरोहा। अक्सर पुलिस की छवि कानून व्यवस्था तक सीमित मानी जाती है, लेकिन अमरोहा में खाकी ने एक बार फिर समाज के प्रति अपनी संवेदनशील भूमिका को साबित किया है। मिशन शक्ति फेजह्म5 के तहत थाना अमरोहा देहात की टीम ने ऐसा काम किया, जिसने न सिर्फ 10 बच्चों का भविष्य संवारा, बल्कि पूरे गांव में शिक्षा की अलख जगा दी। शनिवार को ग्राम रफातपुरा में पुलिस टीम ने घर-घर जाकर उन बच्चों की पहचान की, जो किसी वजह से स्कूल से दूर थे। इन बच्चों के माता-पिता से संवाद कर उन्हें शिक्षा का महत्व समझाया गया। शुरूआत में कुछ अभिभावक हिचकिचाए, लेकिन टीम की समझाइश और भरोसे ने उनका नजरिया बदल दिया। इसके बाद जो नजारा सामने आया, वह भावुक कर देने वाला था। छोटे-छोटे बच्चे, जो अब तक किताबों से अनजान थे, पहली बार स्कूल की दहलीज पर पहुंचे। प्राथमिक विद्यालय रफातपुरा में इन 10 बच्चों का विधिवत प्रवेश कराया गया। बच्चों के चेहरों पर उत्साह और अभिभावकों की आंखों में संतोष साफ झलक रहा था। इस पहल के पीछे पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव का निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया का मार्गदर्शन रहा, जिन्होंने मिशन शक्ति को सिर्फ सुरक्षा तक सीमित न रखकर सामाजिक बदलाव का माध्यम बनाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहल गांव के लिए एक नई शुरूआत है। कई अन्य अभिभावक भी अब अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। मिशन शक्ति के इस कदम ने यह साबित कर दिया कि जब पुलिस समाज के साथ मिलकर काम करती है, तो बदलाव सिर्फ कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखता है। शिक्षा की ओर बढ़ते ये 10 कदम आने वाले कल की मजबूत नींव बन सकते हैं।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
अमरोहा
संभल
रविवार, 19 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

वर्दी की आड़ में बड़ा खेल : स्टेशन मास्टर बनाकर रचाई शादी, 45 लाख दहेज लेकर पूरा परिवार फरार

दैनिक बुलंद मंज़िल

सर्वेश यादव अमरोहा। स्बे से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक उप निरीक्षक पर अपने पुत्र की सरकारी नौकरी का झूठा दावा कर विवाह कराने, बहू के उत्पीड़न और बाद में दहेज का सामान लेकर फरार होने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामले में पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता पारुल यादव निवासी मोहल्ला हीरानगर, धनौरा ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि कस्बे के ही निवासी जयवीर यादव, जो पुलिस विभाग में उप निरीक्षक पद पर तैनात हैं, से उनके पिता की पुरानी जान-पहचान थी। इसी संबंध का लाभ उठाते हुए जयवीर यादव ने अपने पुत्र गौरव यादव को उत्तर रेलवे में स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत बताकर विवाह का प्रस्ताव रखा। पीड़िता के अनुसार, शादी



तय करते समय जयवीर यादव ने अपने पुत्र की कथित रेलवे नौकरी की आईडी भी दिखाई, जिससे उनके परिवार को विश्वास हो गया। इसके बाद 16 जनवरी 2025 को पूरे रीति-रिवाज के साथ करीब 45 लाख रुपये खर्च कर विवाह संपन्न कराया गया। विवाह में मारुति स्विफ्ट कार, घरेलू सामान, लगभग 15 तोले सोने के जेवर और एक किलो चांदी के आभूषण दहेज में दिए गए थे। शादी के कुछ समय बाद ही पारुल को सच्चाई का पता चला कि उसका पति गौरव यादव किसी भी सरकारी नौकरी में नहीं है और कोई रोजगार भी नहीं करता। इस बात का विरोध करने पर उसके ससुर जयवीर यादव ने कथित रूप से उस पर दबाव बनाया कि वह उनके कहे अनुसार ही चले, वरना गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इसके बाद ससुराल पक्ष द्वारा मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न शुरू हो गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 19 जुलाई 2025 को ससुर, सास, पति और ननद ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और जान से मारने का प्रयास भी किया। हालांकि शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए, जिससे उसकी जान बच सकी। तीन दिन बाद 22 जुलाई 2025 को उसका पति उसे रामलीला मैदान में छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद से वह अपने मायके में रह रही है। पीड़िता का कहना है कि बीच में कई बार पंचायतें भी हुईं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। करवा चौथ के अवसर पर जब वह ससुराल वायना लेकर पहुंची तो उसकी सास ने दरवाजा तक नहीं खोला और छत से गाली-गलौज करती रही। मजबूर होकर उसे वापस लौटना पड़ा। इस दौरान उसने 112 नंबर पर पुलिस को भी सूचना दी थी। इतना ही नहीं, पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसका देवर, जो भारतीय नौसेना में कार्यरत है, उसने भी उसे धमकाया और कई बार मारपीट की। वहीं 26 मार्च 2026 को पीड़िता को जानकारी मिली कि उसके ससुराल वाले अपना मकान बेचकर सारा सामान लेकर रातों-रात कहीं चले गए हैं। जब उसके पिता मौके पर पहुंचे तो पता चला कि घर में नए लोग गृह प्रवेश कर चुके हैं और आरोपी परिवार दहेज का सारा सामान, जेवर और कार लेकर फरार हो चुका है। इस मामले में पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, दहेज उत्पीड़न और मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला न केवल दहेज प्रथा और महिला उत्पीड़न की भयावह तस्वीर पेश करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे सरकारी पद का दुरुपयोग कर लोगों को धोखा दिया जा सकता है। फिलहाल पीड़िता न्याय की आस में दर-दर भटक रही है और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की उम्मीद कर रही है।

बारदाना संकट से थमी तौल, नगलिया मुंशी में किसानों का उबाल

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। क्षेत्र में इन दिनों गेहूं खरीद व्यवस्था सवालों के घेरे में है। सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई शनिवार को तब साफ नजर आई, जब ग्राम नगलिया मुंशी में किसानों का गुस्सा सड़कों पर उतर आया। पिछले चार दिनों से क्रय केंद्रों पर बारदाने की कमी ने तौल प्रक्रिया को पूरी तरह ठप कर दिया है, जिससे परेशान किसानों ने जोरदार प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों का कहना है कि इस बार गेहूं की पैदावार पहले ही औसत से कम है, ऊपर से खरीद केंद्रों की अव्यवस्था ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। कई किसान अपनी उपज ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहनों में भरकर केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन बिना बोरे तौल संभव नहीं हो पा रही। मजबूरी में कुछ किसान अपनी फसल औने-पौने दामों पर बेचने को विवश हैं। स्थिति की गंभीरता इस बात से भी



समझी जा सकती है कि खुले में रखी फसल को लेकर किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है। मौसम के बदलते मिजाज के बीच बारिश का खतरा उन्हें सता रहा है। फसल की सुरक्षा के लिए किसान रात-रात भर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। प्रदर्शन के दौरान राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर बुनियादी व्यवस्थाएं तक दुरुस्त नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारी अपनी भूमिका निभाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। वहीं सहकारी संघ कुंदरकी भूड़ के सभापति करण सिंह ने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर तौल व्यवस्था बहाल नहीं हुई, तो किसान तहसील मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन में नरेंद्र सिंह, खड़क सिंह, होशियार सिंह, रघुवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, वीरपाल, रूपचंद सिंह, डालचंद, टेकचंद सिंह और विजेंद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान शामिल रहे। किसानों का साफ कहना है– अब इंतजार नहीं, समाधान चाहिए।

रेलवे स्टेशन के पास चलती कार में लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान





बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। शहर के रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क पर दौड़ रही एक कार अचानक आग का गोला बन गई। कार से उठती ऊंची लपटों को देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई जानकारी के अनुसार, कार से अचानक धुआं निकलना शुरू हुआ, जिसके कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। स्थिति भांपते हुए चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत वाहन रोका और बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि देखते ही देखते पूरी कार आग की चपेट में आ गई। मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी सक्रिय हो गए और स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। घटना के चलते कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा और सड़क पर जाम की स्थिति बन गई गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और चालक सुरक्षित है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस और दमकल विभाग मामले की विस्तृत जांच में जुटे हैं यह घटना वाहन चालकों के लिए चेतावनी है कि वे समय-समय पर अपने वाहनों की जांच कराते रहें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से 12 बीघा गेहूं की फसल जली, युवक झुलसा





दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। तहसील क्षेत्र के गांव इकौंदा में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जब खेत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार अचानक टूटकर नीचे गिर गया। तार गिरते ही कटी हुई गेहूं की फसल में आग लग गई, जिससे किसान राजपाल सिंह की करीब 12 बीघा फसल जलकर राख हो गई। आग की लपटें उठती देख किसान के पुत्र जितेंद्र ने आग पर काबू पाने के लिए ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर आग को रोकने का प्रयास किया। लेकिन आग ने तेजी से फैलते हुए ट्रैक्टर को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान जितेंद्र गंभीर रूप से झुलस गया और ट्रैक्टर भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। परिजन उसे तुरंत निजी अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही सैदनंगली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंची, जिसके चलते उन्हें स्वयं पानी की व्यवस्था कर आग बुझाने का प्रयास करना पड़ा। पीड़ित किसान ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लाइन के नीचे सुरक्षा के लिए गार्डिंग नहीं लगाई गई थी। उधर, विद्युत विभाग के जेई नवीन कुमार ने मौके का निरीक्षण कर जांच के आदेश दिए हैं और नुकसान का आकलन कर मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

रिश्तों में दरार : पति और ससुराल वालों पर महिला से मारपीट का आरोप



दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। थाना क्षेत्र के गांव नगलिया मेव में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां एक महिला ने अपने ही पति और ससुराल पक्ष पर मारपीट व धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित रिनू देवी पत्नी राजीव ने थाना गजरौला में तहरीर देकर बताया कि 17 अप्रैल को सुबह करीब 9 बजे उसके पति राजीव, ससुर अमर सिंह और सास सुनीता ने उसे गंदी-गंदी गालियां दीं और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई, जिससे वह भयभीत हो गई। किसी तरह खुद को बचाते हुए वह थाने पहुंची और पुलिस को पूरी घटना से अवगत कराया। पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

आम के बाग में चरस का खेल खत्म : 333 ग्राम बरामद, ग्राहक के इंतजार में खड़ा आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर आम के बाग में छापा मारकर एक युवक को 333 ग्राम 71 मिलीग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ग्राहक का इंतजार कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 17 अप्रैल 2026 को उपनिरीक्षक कमल सिंह अपनी टीम–कांस्टेबल प्रशांत कुमार और विपिन कुमार–के साथ क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग करते हुए गश्त पर थे। इसी दौरान वे राजा जी ढाबा के पास पहुंचे, जहां उन्हें एक मुखबिर से सूचना मिली कि हटव्वा रोड स्थित एक ट्यूबवेल के पास आम के बाग में एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ के साथ खड़ा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई और अतिरिक्त पुलिस बल को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों से गवाही देने का अनुरोध किया, लेकिन किसी ने भी आगे आने की हिम्मत नहीं दिखाई। इसके बाद पुलिस टीम मुखबिर के बताए स्थान की ओर बढ़ी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को घेरकर पकड़



लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम कलुवा पुत्र इरफान, निवासी मोहल्ला मस्जिद वाला, थाना डिडौली बताया। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपनी जींस की जेब छिपाने का प्रयास कर रहा था, जिससे शक और गहरा गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुद स्वीकार किया कि उसकी जेब में चरस है, जिसे वह मुरादाबाद से एक अज्ञात व्यक्ति से खरीदकर लाया था। उसने बताया कि उसने यह चरस 6000 रुपये में खरीदी थी और कुछ हिस्सा ट्रक चालकों को बेच चुका है। बेची गई चरस से मिले 1080 रुपये भी उसकी जेब से बरामद किए गए। पुलिस ने नियमानुसार आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के तहत उसके अधिकारों से अवगत कराया और मजिस्ट्रेट या राजपत्रित अधिकारी के सामने तलाशी का विकल्प दिया। आरोपी की सहमति पर क्षेत्राधिकारी (सीओ) नगर अमरोहा को मौके पर बुलाया गया। उनकी मौजूदगी में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी की जींस की दाहिनी जेब से पन्नी में लिपटा मटमैले रंग का पदार्थ बरामद हुआ, जिसकी पहचान चरस के रूप में हुई। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौलने पर इसका वजन 333 ग्राम 71 मिलीग्राम निकला। साथ ही, 1080 रुपये नकद भी बरामद किए गए। पुलिस ने मौके पर ही बरामद चरस और नकदी को अलग-अलग पैक कर सील किया तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। आरोपी को शाम 6:16 बजे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान मानवाधिकार आयोग और सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। गौरतलब है कि आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि वह चरस बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश में आम के बाग में खड़ा था। हालांकि, पुलिस की सतर्कता के चलते उसका मंसूबा पूरा नहीं हो सका। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। साथ ही, यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपी को चरस सप्लाई करने वाला व्यक्ति कौन था और इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हैं।

अमरोहा में जनगणना का बिगुल—20 अप्रैल से ट्रेनिंग, 7 मई से मिशन शुरू

7 मई से शुरू होगी स्व-गणना, 20 अप्रैल से प्रशिक्षण ; डीएम ने दिए सख्त निर्देश





दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनगणना 2027 को लेकर अमरोहा प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इस बार की जनगणना कई मायनों में खास होने जा रही है, क्योंकि इसमें ह्यस्व-गणनाह्ल जैसी नई व्यवस्था भी शामिल की गई है, जिससे लोग खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसी को लेकर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने शनिवार को जूम मीटिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनगणना के पहले चरण–मकान गणना एवं मकान सूचीकरण–की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जिले को कुल 3680 गणना ब्लॉकों में विभाजित किया गया है और इन सभी का मानचित्रण कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। यह प्रशासन की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, जो आगामी कार्यों के लिए मजबूत आधार तैयार करती है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 20 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 06 मई 2026 तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि प्रशिक्षण केवल औपचारिकता न होकर पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, ताकि प्रगणक आंकड़ों को सही ढंग से समझकर सटीक और विश्वसनीय जानकारी एकत्र कर सकें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई को सख्ती से निपटाया जाएगा। प्रशिक्षण स्थलों के चयन को लेकर भी जिलाधिकारी ने विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे स्थानों का चयन किया जाए जहां स्वच्छ पेयजल, हवादार कक्ष और उचित शौचालय व्यवस्था उपलब्ध हो। इसके साथ ही चार्ज अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर ऐसे स्थान तय करने को कहा गया, जिससे प्रशिक्षण में किसी प्रकार की असुविधा न हो। निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जिले के सभी एसडीएम को ट्रेनिंग इंचार्ज और खंड शिक्षा अधिकारियों को सहायक ट्रेनिंग इंचार्ज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे प्रशिक्षण प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखी जा सकेगी और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी। बैठक में ह्यस्व-गणनाह्ल को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि यह प्रक्रिया 07 मई 2026 से शुरू होकर 21 मई 2026 तक चलेगी। इस दौरान नागरिक स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन माध्यम से दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें और जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। बैठक में एडीएम एवं जिला जनगणना अधिकारी गरिमा सिंह, उप जिला जनगणना अधिकारी सहित सभी चार्ज अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का मानना है कि समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से कार्य करते हुए इस बार जनगणना को अधिक सटीक, आधुनिक और जनसहभागिता आधारित बनाया जाएगा।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मुरादाबाद
संभल
रविवार, 19 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

सीएम डैशबोर्ड समीक्षा बैठक : लापरवाही पर सख्ती, 10 दिन में फार्मर रजिस्ट्री पूरी करने के निर्देश





बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित बापू सभागार में सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कमजोर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीरता बरतने के निर्देश दिए फार्मर रजिस्ट्री की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने उपनिदेशक कृषि को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री स्तर से इस कार्य को प्राथमिकता दी गई है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आगामी 10 दिनों के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने और प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए दिव्यांग पेंशन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी से विभिन्न सरकारी कार्यालयों में दिव्यांगजन के लिए उपलब्ध सुविधाओं की ऑडिट रिपोर्ट की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित मानकों के अनुसार दिव्यांग फ्रेंडली व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएं फैमिली आईडी की धीमी प्रगति पर भी जिलाधिकारी ने चिंता जताई। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी ने बताया कि शासन स्तर से संशोधित लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के साथ बैठक कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने की प्रक्रिया और शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाओं पर दर्ज एफआईआर और उनकी प्रगति रिपोर्ट भी तलब की, साथ ही पिछले एक वर्ष का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए इसके अलावा अल्पसंख्यक कल्याण, उद्यान, पीएम कुसुम, फसल बीमा योजना और पेंशन योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी अधिकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में पूरी जिम्मेदारी और तत्परता दिखाएं, किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, जिला विकास अधिकारी श्री जी.वी. पाठक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मॉडिफाइड साइलेंसर व प्रेशर हॉर्न पर सख्ती, वर्कशॉप संचालकों को दी कड़ी चेतावनी



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। संभागीय परिवहन कार्यालय में समस्त वाहन डीलर्स, मोटर गैराज एवं वर्कशॉप संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्हें मोटरयान अधिनियम से जुड़े विधिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई बैठक की अध्यक्षता करते हुए संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) श्री संदीप कुमार पंकज ने स्पष्ट किया कि मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न तथा अन्य ध्वनि उत्पन्न करने वाले उपकरणों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण को लेकर विभाग पूरी तरह सख्त है। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 182ए (3) के अंतर्गत वर्कशॉप एवं गैराज संचालकों पर प्रति मामले एक लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। इस जुमार्ने के शमन का अधिकार उप परिवहन आयुक्त एवं उससे उच्च अधिकारियों को होगा उन्होंने यह भी कहा कि जो वाहन स्वामी अपने वाहनों में ऐसे बदलाव करते हैं, जो अधिनियम या नियमों के अनुरूप नहीं हैं, उनके खिलाफ धारा 182ए (4) के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके अंतर्गत दोषी को छह माह तक की सजा या प्रत्येक परिवर्तन पर पांच हजार रुपये तक का जुमार्ना अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं अधिकारियों ने बताया कि यदि कोई वाहन सार्वजनिक स्थान पर चलाते समय सड़क सुरक्षा, शोर नियंत्रण या वायु प्रदूषण के मानकों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध धारा 190 (2) के तहत कार्रवाई होगी। प्रथम अपराध में तीन माह तक की सजा या दस हजार रुपये तक का जुमार्ना अथवा दोनों का प्रावधान है, साथ ही चालक का ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित किया जाएगा इसके अतिरिक्त जिन वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर या ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले उपकरण पाए जाएंगे, उनके खिलाफ धारा 53 (1) के तहत पंजीयन प्रमाण पत्र (आरसी) निलंबन की कार्रवाई भी प्राथमिकता से की जाएगी संभागीय परिवहन अधिकारी ने जनपद के सभी वाहन स्वामियों से अपील की कि वे अपने वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न या हूटर जैसे उपकरण न लगाएं, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तहसील कांठ में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित, डीएम-एसएसपी ने सुनी जन समस्याएं





बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जन समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को तहसील कांठ में ह्लसम्पूर्ण समाधान दिवसह्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आम जनता की शिकायतें सुनीं कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इनमें राजस्व, पुलिस, विद्युत, विकास, नगर निकाय एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्रमुख रहीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता और निष्पक्षता बनाए रखें जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी न हो और प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मामलों का मौके पर निस्तारण संभव है, उन्हें तत्काल निपटाया जाए, जबकि शेष मामलों में निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जिससे फरियादियों को राहत मिली। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से पोल्ट्री फार्म में भीषण आग, 3 हजार चूजे जिंदा जले

मूढ़ापांडे क्षेत्र के खबड़िया भूड़ गांव में हादसा, लाखों का नुकसान; पीड़ित ने प्रशासन से मांगी मदद





बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद के मूढ़ापांडे थाना क्षेत्र के ग्राम खबड़िया भूड़ में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां शॉर्ट सर्किट के कारण पोल्ट्री फार्म में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा फार्म कुछ ही देर में जलकर राख हो गया और उसमें मौजूद करीब 3 हजार चूजों की झुलसकर मौत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी सुलेमान अली पुत्र नन्ने अली का पोल्ट्री फार्म अचानक आग की चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 7 बजे बिजली के शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने फार्म में आग लगा दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक लपटें पूरे फार्म में फैल चुकी थीं। आग इतनी भीषण थी कि एक भी चूजे को बचाया नहीं जा सका। घटना में पोल्ट्री फार्म का पूरा ढांचा, दाना-पानी का स्टॉक समेत अन्य सामान जलकर खाक हो गया। भारी नुकसान : इस अग्निकांड में लगभग 3,000 चूजों की मौत हो गई, जिससे पीड़ित को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने किया निरीक्षणः घटना की सूचना मिलते ही मूढ़ापांडे पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है और राजस्व विभाग को नुकसान के आकलन के लिए सूचित किया गया है पीड़ित की गुहार पीड़ित सुलेमान अली ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग करते हुए कहा कि शॉर्ट सर्किट की वजह से उनकी पूरी मेहनत और जमा-पूंजी बर्बाद हो गई है।

नारी शक्ति जागरूकता के लिए रंगोली प्रतियोगिता व मानव श्रृंखला का आयोजन



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। दिनांक 18 अप्रैल 2026 को दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय, मुरादाबाद में प्राचार्य प्रोफेसर सीमा रानी के कुशल निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वाधान में ह्यनारी वंदन अधिनियम कार्यक्रमह्व के अंतर्गत विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया कार्यक्रम के प्रथम सत्र में ह्यनारी शक्तिह्व विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें एनएसएस की स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया तथा महाविद्यालय की अन्य छात्राओं एवं प्रवक्ता बहनों को जागरूक किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. छाया रानी एवं डॉ. नेमिका रहीं। प्रतियोगिता में रुचि व पलक ने प्रथम स्थान, रजनी व खुशी दयाल ने द्वितीय स्थान तथा सृष्टि व लकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीतू सिंह एवं श्रीमती विदुषी यादव भी उपस्थित रहीं दिवस के द्वितीय सत्र में छात्राओं द्वारा मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया। इस दौरान ह्यनारी शक्ति जिंदाबादह्व के नारों के साथ जागरूकता संदेश दिया गया और महिला सशक्तिकरण के प्रति छात्राओं को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के अधिकारों एवं सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

मुरादाबाद में किशोरों के लिए कंप्यूटर स्मार्ट क्लास का शुभारंभ, शिक्षा व पुनर्वास को मिलेगी नई दिशा





बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद । इलाहाबाद उच्च न्यायालय एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरादाबाद सय्यद मऊज बिन आसिम के कुशल निर्देशन में शनिवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर), मुरादाबाद में निरुद्ध किशोरों के पठन-पाठन हेतु कंप्यूटर स्मार्ट क्लास का उद्घाटन किया गया स्मार्ट क्लास का शुभारंभ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तपस्या त्रिपाठी, किशोर न्याय बोर्ड मुरादाबाद की प्रधान मजिस्ट्रेट मीनाक्षी तथा उपनिदेशक/जिला प्रोबेशन अधिकारी राजेश गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से किया गया इस पहल का मुख्य उद्देश्य संस्था में निरुद्ध किशोरों के शैक्षिक विकास को प्रोत्साहित करना तथा उनके पुनर्वास की दिशा में सार्थक प्रयास करना है। कार्यक्रम के दौरान किशोरों को उनके मौलिक अधिकारों, शिक्षा के महत्व और समग्र व्यक्तित्व विकास के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी गई।इसके अतिरिक्त, संस्था में रह रहे किशोरों को वस्त्र एवं बिस्तर हेतु चादरों का वितरण भी किया गया, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास किया गया कार्यक्रम में संस्था के प्रभारी अधीक्षक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी एवं पराविधिक स्वयंसेवक भी मौजूद रहे।

मुरादाबाद में अप्रैल माह में लगेंगे विधिक जागरूकता शिविर

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। तहसीलदार सदर ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में अप्रैल 2026 के दौरान जनपद में विभिन्न विषयों पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है उन्होंने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से आमजन को उनके अधिकारों और महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 18 अप्रैल 2026 को समाज कल्याण विभाग में तंबाकू के उपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। वहीं 20 अप्रैल 2026 को आर्य समाज कन्या इंटर कॉलेज में बाल लिंगानुपात विषय पर कार्यक्रम आयोजित होगा इसी क्रम में 22 अप्रैल 2026 को पंचायत भवन लाकड़ी फाजलपुर में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगेगा। 25 अप्रैल 2026 को पंचायत भवन वीजना में पर्यावरण संरक्षण एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तहसीलदार सदर ने आगे बताया कि 29 अप्रैल 2026 को वन स्टॉप सेंटर, महिला कल्याण विभाग, गांगन दिल्ली रोड (राधा कृष्ण मंदिर के पीछे) में वैवाहिक विवादों के पूर्व मुकदमेबाजी स्तर पर निस्तारण हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा उन्होंने आमजन से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में प्रतिभाग कर लाभ उठाएं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गलशहीद पुलिस ने किया गिरफ्तार



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। थाना गलशहीद पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है पीड़िता द्वारा थाना गलशहीद में दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर मारपीट व गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मु0अ0सं0 27/ 2026 धारा 69/115(2) /351(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया। विवेचना के दौरान 18 अप्रैल 2026 को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार आरोपीः शाहनवाज कुरेशी पुत्र शमशाद कुरेशी, निवासी हबीबिया मदरसा, इस्माईल रोड असालतपुरा, थाना गलशहीद, मुरादाबाद पुलिस द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कटघर पुलिस ने अवैध शस्त्र के साथ 2 अभियुक्तों को दबोचा



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद में अवैध शस्त्रों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कटघर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में 18 अप्रैल 2026 को की गई कार्रवाई में पुलिस ने मौ0 कैफ और फैसल को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 02 तमंचा .315 बोर और 02 जिंदा कारतूस बरामद किए गए पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना कटघर में मु0अ0सं0 207/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अन्य विधिक कार्रवाई जारी है गिरफ्तार आरोपी : मौ0 कैफ पुत्र नाजिम, निवासी रहमत नगर, थाना कटघर, मुरादाबाद फैसल पुत्र मौ0 नौमान, निवासी पीर का बाजार, निकट आयशा मस्जिद, थाना मझोला, मुरादाबाद।

सोनकपुर पुलिस ने जुआ खेलते 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सोनकपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए जुआ खेलते हुए तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया पुलिस के अनुसार, दिनांक 18 अप्रैल 2026 को चलाए गए अभियान के दौरान आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया। उनके कब्जे से 2090 रुपये नकद, 52 ताश के पत्ते और एक गमछा बरामद हुआ इस मामले में थाना सोनकपुर पर मु0अ0सं0 39/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है गिरफ्तार आरोपी कासिम पुत्र इदरीश, निवासी ग्राम बराही, थाना हजरतनगर गढ़ी, जनपद संभल राजकुमार पुत्र राजाराम, निवासी ग्राम बराही, थाना हजरतनगर गढ़ी, जनपद संभल फुरकान पुत्र तहसीन, निवासी ग्राम बराही (संभल), मूल निवासी मोहल्ला हुसैनी झंडा, थाना बिलारी, मुरादाबाद

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
रामपुर/मथुरा
संभल
रविवार, 19 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

अल्पसंख्यक कल्याण एवं हज राज्य मंत्री दानिश आजाद ने किया रामपुर का दौरा

बुलंद मंजिल



रामपुर। शुक्रवार को रामपुर में अल्पसंख्यक कल्याण एवं हज राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी रामपुर पहुंचे वहां पहुंचकर उन्होंने कार्यकताओं के साथ एक मीटिंग की मीटिंग को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया की आने वाले 2027 के चुनाव की तैयारी में अभी से लग जाए और कहा कि माननीय योगी जी द्वारा चलाई जा रही जनहित के लिए कल्याणकारी एवं लाभकारी योजनाओं के बारे में घर-घर जाकर लोगों को समझाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग योजनाओं का लाभ ले सकें इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा वसीम खान ने भी अपने विचार व्यक्त किये और कहा कि रामपुर में सबसे ज्यादा विकास भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुआ है इसी क्रम में प्रदेश मंत्री तरनदीप सिंह ग्रोवर ने भी अपने विचार व्यक्त किये अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री डॉ यामीन पाशा ने भी माननीय योगी जी की चलाई जा रही कल्याणकारी एवं लाभकारी योजनाओं पर रोशनी डालते हुए कहा कि माननीय योगी जी ने बहुत सारी ऐसी योजनाएं चलाई हैं जिससे लोगों को बहुत लाभ हुआ है जैसे कि किसान सम्मन निधि कन्या सुमंगला योजना फ्री राशन योजना सामूहिक विवाह योजना जैसी बहुत सारी योजनाएं माननीय मोदी जी एवं योगी जी ने जनहित के लिए चलाई हैं इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष वसीम खान प्रदेश मंत्री तरंदीप सिंह ग्रोवर जिला महामंत्री यामीन पाशा एजाज साइन अंसारी राजू भाई नूर आलम भाई निजाम मलिक रिजवान मलिक जलालुद्दीन भाई आदि भारी तादाद में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने गेहूं क्रय केंद्रों का किया औचक निरीक्षण, किसानों से ली जानकारी

बुलंद मंजिल



रामपुर। जनपद में गेहूं खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू एवं किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से सम्पूर्ण समाधान दिवस के पश्चात नवीन मंडी बिलासपुर में स्थापित विभिन्न गेहूं क्रय केन्द्रों का जिला अधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बारदाना की उपलब्धता, तौल व्यवस्था, खरीद प्रक्रिया तथा कृषकों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मण्डी में आ रहे गेहूँ की गुणवत्ता को परखा तथा मण्डी में स्थापित क्रय केन्द्रों की व्यवस्था सही पाई गई। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन कृषकों की फार्मर आईडी नहीं बनी है, उनकी फार्मर आईडी क्रय केन्द्र पर ही तत्काल बनवाना सुनिश्चित किया जाए। मौके पर उपस्थित किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उन्हें अपनी फसल साफ-सुथरी अवस्था में मंडी में लाने के लिए प्रेरित किया। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्रय केन्द्रों पर कृषकों के लिए शुद्ध पेयजल एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस दौरान नवीन मंडी परिसर में संचालित गेहूं क्रय केन्द्रों की संख्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी ने बताया कि नवीन मंडी परिसर बिलासपुर में 11 गेहूं क्रय केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त जनपद स्तर पर वर्तमान में 114 गेहूं क्रय केन्द्र संचालित हैं तथा 15 नए क्रय केन्द्र और स्थापित किए जा रहे हैं। सभी क्रय केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध है। अधिकारियों को निर्देशित किया कि गेहूं खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखते हुए किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न होने दी जाए और सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की जाएं।

ओवरटेक के दौरान कार की टक्कर से ताऊ-भतीजा घायल, चालक फरार

दैनिक बुलंद मंजिल



हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को अलीगढ़ मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। हथियाखेड़ा गांव के समीप एक अनियंत्रित कार ने ओवरटेक करते समय बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार ताऊ और भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हापुड़ जनपद के पलवाड़ा गांव निवासी राजू सिंह अपने ताऊ देशराज के साथ बाइक से सैदनगली थाना क्षेत्र के फतेहपुर खादर जा रहे थे। जैसे ही वे अलीगढ़ मार्ग पर हथियाखेड़ा गांव के पास पहुंचे, पीछे से तेज गति से आ रही एक कार ने ओवरटेक के प्रयास में उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने मानवता दिखाते हुए दोनों घायलों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। उधर, हसनपुर कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि घटना की जानकारी पुलिस को है, लेकिन अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि तहरीर मिलने पर मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुटने की बात भी कह रही है।

न्यायालय पुनसंर्चालित, अधिवक्ताओं ने न्यायिक मजिस्ट्रेट का किया जोरदार स्वागत





बुलंद मंजिल /विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर । नगर की तहसील कोर्ट में स्थित ग्राम न्यायालय में न्यायिक मजिस्ट्रेट शशिप्रभा चौधरी के मातृत्व अवकाश पर चले जाने के पश्चात से ही उक्त न्यायालय रिक्त चल रहा था जिसमें लगभग तीन माह से सभी न्यायिक कार्यों की गति लगभग थम ही गई थी। इस सन्दर्भ में सिविल एवं न्यायिक बार एसोसिएशन शाहबाद (रामपुर) की ओर से जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय जनपद रामपुर को पत्र लिखकर न्यायिक अधिकारी की मांग की गई थी परन्तु उस समय व्यवस्था न होने के कारण उक्त न्यायालय को एक लिंक मजिस्ट्रेट के अधीन कर दिया गया था परन्तु अब उच्च न्यायालय इलाहाबाद से जनपद में कुछ नये मजिस्ट्रेट आने के पश्चात ग्राम न्यायालय शाहबाद में भी स्थायी मजिस्ट्रेट को पदासीन कर दिया गया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक सिंह को ग्राम न्यायालय शाहबाद का चार्ज मिला है। न्यायिक मजिस्ट्रेट की ज्वाइनिंग के पश्चात सिविल एवं न्यायिक बार एसोसिएशन शाहबाद (रामपुर) के अध्यक्ष एडवोकेट सैयद शाह आलम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट रिंकू कुमार यादव, मीडिया प्रभारी एडवोकेट अभिषेक शर्मा व सहयोगी रितिक कुमार एवं रेखा रानी शर्मा ने न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक सिंह का पुष्प मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर अधिवक्तागण व न्यायिक मजिस्ट्रेट के मध्य विभिन्न कानूनी मुद्दों पर परिचर्चा हुई।

महिला थाना रामपुर में किया गया परिवार परामर्श केन्द्र का आयोजन



बुलंद मंजिल /विनोद गुप्ता

रामपुर । शनिवार को पुलिस अधीक्षक, रामपुर सोमेन्द्र मीना के आदेशानुसार महिला थाना रामपुर में परिवार परामर्श केन्द्र का आयोजन किया गया । जिसमे पति-पत्नी से संबंधित विवादों मे काउन्सलिंग करायी गयी । शनिवार को 29 प्रकरण समीति द्वारा सुने गये । जिसमें 04 प्रार्थना पत्रो में समिति द्वारा सुलह समझौता कराया गया, 01 पत्रावली में ऋकफ की संस्तुति की गयी तथा 24 प्रार्थना पत्रों में अग्रिम तिथि नियत कर समझौते का प्रयास किया जा रहा है । इस दौरान निरीक्षक अनु तोमर, काउन्सलर अवतार सिंह, परवेज, मीना सिंह, नीना साहनी काउन्सलिंग समिति में उपस्थित रहे ।

महिला ने पुलिस से लगाई मदद की गुहार दर्ज किया मुकदमा

बुलंद मंजिल

शाहबाद रामपुर । मामला थाना क्षेत्र के मंगोली गांव का है जहां एक महिला ने मारपीट और गाली-गलौज का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना 16 अप्रैल, 2026 की रात करीब 10:30 बजे की बताई जा रही है। शिकायतकर्ता सीमा पत्नी नीलेन्द्र कुमार ने बताया कि उनके पिता कल्लू रात में घेर पर सोने जा रहे थे। इसी दौरान गांव के रोहित, सुशील, कल्लुआ पुत्र चंद्रपाल और ऋषभ पुत्र चंद्रपाल ने कथित तौर पर बिना किसी बात के उन्हें और उनके पिता को गालियां देना शुरू कर दिया।सीमा के अनुसार, जब उन्होंने गाली-गलौज करने से मना किया, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों और लात-घूसों से उन पर और उनके पिता पर हमला कर दिया। इस मारपीट में उनके पिता कल्लू के शरीर पर चोटें आई हैं।सीमा ने पुलिस से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस अधिरिम कार्रवाई में जुट गई है।

अमरोहा में वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय आदेश पर परिजनों को सौंपा गया

दैनिक बुलंद मंज़िल/
जितेंद्र यादव



अमरोहा। अमरोहा देहात थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में अहम कदम उठाया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन और निगरानी में की गई। पुलिस टीम ने ग्राम मऊ मयचक निवासी कासिम पुत्र नजारुल को गिरफ्तार किया, जो एक पुराने मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, तोड़फोड़ और घर में घुसकर हमला करने जैसी धाराओं में मुकदमा दर्ज था। लंबे समय से फरार चल रहे इस वारंटी की तलाश की जा रही थी। आखिरकार थाना अमरोहा देहात की टीम ने उसे पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के परिजन न्यायालय का आदेश लेकर थाने पहुंचे। आदेश के अनुपालन में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पुलिस ने कासिम को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस की सतर्कता और न्यायिक प्रक्रिया का संतुलित पालन देखने को मिला।

अमरोहा पुलिस की सटीक कार्रवाई : वांछित आरोपी गिरफ्त में

दैनिक बुलंद मंज़िल
/सर्वेश यादव



अमरोहा। अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अमरोहा देहात पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए लंबे समय से वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और उच्च अधिकारियों की निगरानी में की गई इस कार्रवाई ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर भरोसा मजबूत किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अजीम निवासी ग्राम पीपलसाना अहतमाली, थाना भोजपुर, जनपद मुरादाबाद है। उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज था, जिसमें धोखाधड़ी, दुष्कर्म और धमकी जैसे आरोप शामिल हैं, साथ ही पोक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई थी। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल मजबूत हुआ है। वहीं, पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी को भी कानून से ऊपर नहीं माना जाएगा। यह गिरफ्तारी न सिर्फ एक केस का समाधान है, बल्कि अपराध के खिलाफ पुलिस की सतर्कता और प्रतिबद्धता का भी संकेत है।

सासनी पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार, लगभग चार लाख के चांदी के आभूषण पुलिस ने किए बरामद

तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना से आरोपी तक पहुंची पुलिस

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल



हाथरस। कोतवाली सासनी पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम जलालपुर में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए चांदी के आभूषणों की शत-प्रतिशत बरामदगी की है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 4 लाख रुपये बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम जलालपुर निवासी सुरेश कुमार ने थाना सासनी में शिकायत दर्ज कराई थी कि 8 मार्च 2026 को उनके घर में ताला तोड़कर अलमारी से चांदी के आभूषण चोरी कर लिए गए। घटना की जानकारी उन्हें 16 अप्रैल को हुई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाहा के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में गठित टीम ने जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर शनिवार को सासनी रोड स्थित स्पर्श कोल्ड के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास पुत्र हाकिम सिंह निवासी ग्राम जलालपुर के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 12 जोड़ी पाजेब, 17 जोड़ी बिछुआ और एक कौंदनी तगड़ी (सभी सफेद धातु) बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना को स्वीकार करते हुए बताया कि उसने अपने शौक पूरे करने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है और विधिक कार्रवाई जारी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना सासनी की प्रभारी निरीक्षक विपिन चौधरी एवं उनकी टीम शामिल रही।

वृन्दावन में जाम से निजात को ई-रिक्सा समिति ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

अनेक सुझावों के साथ ट्रैफिक के लिए डेढ़ साल काम करने के अनुभव का लाभ लेने की अपील की

बुलंद मंजिल / जहीर आलम



वृन्दावन। नगर में बेपटरी हो चुकी यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ई-रिक्शा चालक समिति के पदाधिकारियों ने प्रशासन की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं। समिति के पदाधिकारी ने अनेक बिंदुओं पर सुझाव देने के साथ ही करीब डेढ़ साल से अधिक समय तक यातायात व्यवस्था में सहयोग के अनुभव का अधिकारियों से लाभ लेने की अपील की है। ई रिक्शा चालक समिति के अध्यक्ष ठा. ज्ञानेंद्र सिंह एवं सामाजिक कार्यकर्ता ताराचंद गोस्वामी ने शुक्रवार दोपहर को सौ सय्या बैरियर के पास एक भवन में प्रवेश वार्ता कर नगर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की। ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि पूर्व में भी उन्होंने पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर करीब डेढ़ साल तक यातायात प्रबंधन में सहयोग किया था, उन्होंने कहा हम प्रशासन का सहयोग करना चाहते हैं, हमारे पास ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के जमीनी अनुभव हैं, उन्होंने नगर निगम और स्थानीय अफसरों से कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर संवाद की इच्छा जाहिर की। उनका मानना है कि उनके सुझावों और प्रशासन व चालकों के बीच बेहतर समन्वय से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव आ सकते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता ताराचंद गोस्वामी ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि नगर निगम द्वारा प्रत्येक ई-रिक्शा चालक से 3000 रुपए वसूले गए, लेकिन उनका उपयोग कहां किया गया। ई-रिक्शा चालकों के लिए अभी तक कोई पार्किंग सुविधा विकसित नहीं की है, प्रशासन पहले ई रिक्शा चालकों के लिए उचित पार्किंग और जरूरी सुविधाओं का इंतजाम करें। उसके बाद नियमों का उलंघन करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए, हम सभी प्रशासन का सहयोग करेंगे। इस मौके पर मदनलाल, अभिषेक खंडेलवाल, अजय चौधरी, गौरव शर्मा मौजूद रहे।

कमीशन खोरी और सीना जोरी : हाथरस में नए करेंसी के नाम पर धांधली, रिश्वतखोरी का खेल, कैसे बनाएं विवाह शादी में रौनक

विवाह जैसे सामाजिक कार्यों के लिए भी देना पड़ रहा है हजारों रुपये का घूस





अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। क्षेत्र में नए करेंसी नोटों की उपलब्धता को लेकर धांधली और रिश्वतखोरी का मामला सामने आया है। शहर के सराफा बाजार के पास पत्थर वाली मार्केट में दुकान नई करेंसी से सजी हुई है। लेकिन यहां पर आपको 10 हजार लेने पर साढे 14 हजार रुपए देने होंगे। जब हमें 10 रुपए की नई करेंसी मिलेगी। यह सालों से धांधली का काम चल रहा है। सभी बैंक के इन लोगों से मिली हुई है, कमिश्नर का खेल बहुत निराला है रे भैया। सही कहा है किसी किसी ने बाप बड़ा ना भैया सबसे बड़ा रुपैया। आम लोगों का आरोप है कि विवाह जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यों के लिए भी उन्हें नए नोट प्राप्त करने हेतु हजारों रुपये की रिश्वत देनी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार, बैंकों और संबंधित दलालों के बीच मिलीभगत से यह पूरा खेल संचालित हो रहा है। शादी-ब्याह के सीजन में नए नोटों की मांग बढ़ने का फायदा उठाते हुए कुछ लोग खुलेआम अवैध वसूली कर रहे हैं। जहां एक ओर सरकार पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर हालात इसके विपरीत नजर आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति सीधे बैंक से नए नोट लेने जाता है तो उसे ह्नोट उपलब्ध नहीं हैंह्व कहकर लौटा दिया जाता है, जबकि दलालों के माध्यम से वही नोट आसानी से मिल जाते हैं-लेकिन इसके लिए मोटी रकम चुकानी पड़ती है। कई लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि 10 हजार रुपए के नए नोट लेने के लिए साढ़े चार हजार से पांच हजार रुपए तक अतिरिक्त देने पड़ रहे हैं। इस संबंध में जब संबंधित अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने मामले की जानकारी से इनकार किया। हालांकि, आम जनता में इसको लेकर काफी नाराजगी है और लोगों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। नए करेंसी नोटों के नाम पर चल रही इस तरह की अवैध वसूली न केवल आम जनता पर आर्थिक बोझ डाल रही है, बल्कि भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा दे रही है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

हाथरस में सपा का बूथ सम्मेलन, कार्यकर्ताओं का जुटान

रामनारायण काके के समर्थन में सासनी ब्लॉक में शक्ति प्रदर्शन





अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। समाजवादी पार्टी सासनी ब्लॉक का बूथ लेवल कार्यकर्ता सम्मेलन शनिवार को कन्या इंटर कॉलेज मार्ग स्थित बालाजी गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व हाथरस से समाजवादी पार्टी के पूर्व एवं संभावित प्रत्याशी रामनारायण काके ने किया, जबकि अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र कुशवाहा ने की। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सादाबाद विधानसभा के पूर्व विधायक देवेंद्र अग्रवाल मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में सपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुशवाहा, सादाबाद के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी भाजुद्दीन तथा पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज यादव शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान सासनी ब्लॉक के कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने रामनारायण काके सहित सभी अतिथियों का 51 किलो की माला एवं पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया। सम्मेलन में सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न दलों, विशेष रूप से भारतीय जनता पार्टी से आए दर्जनों कार्यकताओं ने रामनारायण काके के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मुख्य अतिथि देवेंद्र अग्रवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हाथरस विधानसभा सीट से रामनारायण काके संभावित प्रत्याशी हैं और सभी कार्यकर्ता उन्हें विजयी बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करें। उन्होंने तीनों विधानसभा क्षेत्रों में आपसी सहयोग और बूथ स्तर को मजबूत करने पर जोर दिया। जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुशवाहा ने कार्यकताओं से अपने-अपने बूथ पर सक्रिय रहने और मतदाता सूची का गहन निरीक्षण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बढ़े और कटे हुए वोटों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा किसी भी प्रकार की साजिश से सतर्क रहें। अन्य वक्ताओं ने भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकताओं की उपस्थिति की सराहना करते हुए संगठन की मजबूती पर बल दिया और रामनारायण काके को विजयी बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सपा नेता डॉ. राधेश्याम रजक एवं पूर्व नगर अध्यक्ष हेमंत गौड़ ने किया। इस दौरान अजय कुमार, मास्टर कल्लू हसन, इकबाल अहमद, सुनील कुमार दिवाकर, कैलाश थेनुआ, भगत सिंह प्रधान, प्रमोद कुमार चौधरी (गोलू सिंह कुशवाहा), राजेश कुमार (गुड्डू ठाकुर), शैलेंद्र सिंह (टीटू), सुरेश जादौन (काला), ममतेश वार्ष्णेय, अशोक वार्ष्णेय, गौरव पाठक सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसडीएम में संपूर्ण समाधान दिवस में सनी जनसमस्याएं



बुलंद मंजिल

शाहबाद रामपुर । शनिवार को शाहबाद में एसडीएम आशुतोष कुमार ने समाधान दिवस में जन शिकायतें सुनी । बताते चलें कि शाहबाद के सम्पूर्ण समाधान में कुल 9 शिकायती पत्र आए जिनमें से 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि बची हुई शिकायतों को निस्तारण करने के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। इस दौरान तहसीलदार अमित कुमार, नायब तहसीलदार हरीश जोशी, बीडीओ धीरेन्द्र सिंह आदि रहे।

लव जिहाद, कारपोरेट जिहाद लेण्ड जिहाद देश में बढ़ती विकृति मानसिकता के विरोध सम्पूर्ण राष्ट्र के साथ

महिलाओं एवं बालिकाओं के शोषण से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग





अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस । में तालाब चौराहा पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं ने देश में सामाजिक मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए और उन्होंने विभिन्न मांगों को लेकर प्रशासन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से ह्नतथाकथित लव जिहादह्व और जबरन धर्मांतरण के मामलों पर रोक लगाने, महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े अपराधों पर सख्त एवं त्वरित कार्रवाई करने, तथा समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखने की मांग उठाई गई। इसके अलावा सार्वजनिक और सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाने तथा कमजोर और जनजातीय वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी अपील की गई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी भी की और प्रशासन से इन मामलों में कठोर कदम उठाने की मांग की। मौके पर प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल मौजूद रहा, जिन्होंने ज्ञापन स्वीकार किया और स्थिति पर निगरानी रखी। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ और अंत में कार्यकताओं द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया।

अमियापुर बना आंदोलन का केंद्र– हजारों की भीड़, बदलाव की हुंकार



दैनिक बुलंद मंज़िल

चंदौसी। चंदौसी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अमियापुर पाचक में भारत के महान संविधान निमार्ता भीमराव आंबेडकर की जयंती इस बार सिर्फ एक औपचारिक आयोजन नहीं रही, बल्कि सामाजिक जागरूकता और राजनीतिक संदेश का सशक्त मंच बनकर उभरी। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी की नेत्री विमलेश कुमारी ने बाबा साहेब के विचारों को वर्तमान दौर से जोड़ते हुए PDA (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) की एकजुटता पर जोर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत विमलेश कुमारी द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद समाजवादी पार्टी से जुड़ी स्थानीय इकाई और डॉ. आंबेडकर समिति पाचक के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नीले झंडों और जय भीम के नारों के बीच निकली यह यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जिसमें सैकड़ों लोगों की भागीदारी ने आयोजन को जनआंदोलन जैसा रूप दे दिया।

अपने संबोधन में विमलेश कुमारी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष आज भी हर वर्ग के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बनाकर यह साबित किया कि ज्ञान के बल पर ही समाज में बदलाव संभव है। उन्होंने कहा कि शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो का मंत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस दौर में था।

उन्होंने विशेष रूप से जाटव समाज और अन्य वंचित वर्गों से आह्वान किया कि वे सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करने के लिए एकजुट हों और समाजवादी विचारधारा से जुड़ें। उन्होंने कहा कि PDA की एकता ही वह ताकत है, जो समाज में बराबरी और अधिकारों की लड़ाई को मुकाम तक पहुंचा सकती है। विमलेश कुमारी ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से बाबा साहेब के सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी रही है, जो हर वर्ग को सम्मान और समान अवसर दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विवेक गौतम एडवोकेट, राहुल गौतम, वीरपाल सिंह एडवोकेट, अजयं कश्यप, विनीत कुमार, राकेश, रामोतार जाटव, डॉ. राघवेंद्र, धर्मेंद्र जाटव, जितेंद्र सागर, अजय गौतम, हरपाल सिंह, बंटी, मनोज भास्कर, कपिल, ऊदल सिंह, सोनू, रवि, कुंवरपाल सिंह, लालू सिंह, राहुल, कमल सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में आंबेडकरवादी मौजूद रहे। आयोजन ने गांव में सामाजिक चेतना और एकजुटता का नया संदेश दिया।

पतंजलि विश्वविद्यालय ने अंतर-विश्वविद्यालय थांग-टा प्रतियोगिता में 17 पदक झटके

□ हरिद्वार/इंफाल

उत्कृष्ट कौशल, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय थांग-टा प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, एक रजत तथा 14 कांस्य पदक सहित कुल 17 पदक जीते। मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल में छह से नौ अप्रैल तक आयोजित प्रतियोगिता में देशभर के अनेक विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। पतंजलि के प्रथम वर्ष से अंतिम वर्ष तक के विद्यार्थियों की सहभागिता ने यह स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय में प्रतिभा और मार्गदर्शन की कोई कमी नहीं है। टीम ने 11 विभिन्न भार वर्गों में पदक प्राप्त कर अपनी प्रतियोगी क्षमता का परिचय दिया। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक रिया गौर और कीर्ति, जो बीपीईएस द्वितीय वर्ष की छात्राएं हैं, ने 64 किलोग्राम से कम भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्राप्त किए। रजत पदक मानसी' बीपीईएस द्वितीय वर्ष) ने 76 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त 14 कांस्य पदक पूजा, सोनिया, नैना, अभिषेक, भावना, अतुल, गौरी, सलोनी, माही, पलक, प्रिंस, योगिंदर, कार्तिकेय और हृषभ सहित अन्य विद्यार्थियों ने जीतकर टीम की सुदृढ़ता और निरंतरता को प्रदर्शित किया। इस उपलब्धि का एक प्रमुख पक्ष यह रहा कि बीपीईएस के विद्यार्थियों ने कुल 17 में से 16 पदक प्राप्त किए।

हैम्बर्ग स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे वीर चोटरानी

अभय-रमित और जोशना हुए बाहर

एजेंसी □ हैम्बर्ग

वीर चोटरानी ने पुरुषों के दूसरे राउंड में जर्मनी के आठवें सीड राफेल कंदरा को 3-0 से हराकर हैम्बर्ग ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह पीएसए कांस्य पदक स्तर का इवेंट है। इस भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से आखिर तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्हें 11-8, 11-7, 11-7 से जीत हासिल करने और आखिरी आठ में पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगे। चोटरानी ने कंदरा को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया।



हालांकि, चोटरानी के हमवतन और पांचवें वरीयता प्राप्त अभय सिंह और सातवें वरीय रमित टंडन दूसरे राउंड में बाहर हो गए। सिंह इंग्लैंड के सैम टॉड से 9-11, 11-7, 4-11, 2-11 हारे। टंडन को हंगरी के बालाज फार्कास ने 10-12, 11-4, 5-11, 9-11 से हराया। सैम टॉड ने सिंह को हराने के लिए बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टॉड ने कहा, मुझे पता है कि अभय हाल ही में अच्छी फॉर्म में है, क्योंकि एल गौना में उसके कुछ अच्छे परिणाम आए थे और उसने इंडियन ओपन जीता था। मुझे पता था कि आज का मैच मुश्किल होगा और मैंने उसके साथ पोंटेफ्रैक्ट में जो मेरा क्लब है कुछ बार ट्रेनिंग की है, इसलिए मैं उसका गेम अच्छी तरह जानता हूं क्योंकि हम कुछ बार साथ में खेले हैं।

महिलाओं के वर्ग में पूर्व महिला विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी जोशना चिनप्पा को आठवीं वरीयता प्राप्त जोएल किंग ने हराया। किंग ने 11-9, 11-7, 9-11, 11-4 से जीत हासिल की। स्पेन की मार्टा डोमिनगेज भी नंबर 6 सीड मैलिफ को हराने के बाद पहली बार कांस्य पदक के आखिरी आठ में खेलेंगी। डोमिनगेज ने लगातार छह हार का सिलसिला खत्म करते हुए 11-7, 9-11, 11-5, 11-3 से जीत हासिल करके अपने पहले क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई।

ओलंपिक फिगर स्केटिंग पेयर्स चैंपियन मिउरा रिकु व किहारा रयुइची ने लिया संन्यास



एजेंसी □ नई दिल्ली

ओलंपिक फिगर स्केटिंग पेयर्स चैंपियन मिउरा रिकु और किहारा रयुइची की जोड़ी शुक्रवार को अपने करियर को अलविदा कह दिया है। ओलंपिक खेलों में पेयर्स स्पर्धा में जापान के पहले पदक विजेता जोड़ी ने आज सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा की। मिउरा और किहारा ने जापानी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में जारी एक संयुक्त बयान में कहा, 'हम, रिकु मिउरा और रयुइची किहारा, ने इस सीजन के समाप्त होने के बाद प्रतिस्पर्धी स्केटिंग से संन्यास लेने का फैसला किया है।

शुभंकर शर्मा ने जीता पहला बोल्डर्स क्लासिक खिताब

एजेंसी □ हैदराबाद

राउंडग्लास स्पोर्ट्स के एथलीट और ब्रांड एंबेसडर शुभंकर शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैदराबाद के बोल्डर हिल्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित पहले 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के बोल्डर्स क्लासिक का खिताब अपने नाम किया।

दिसंबर 2021 के बाद अपने पहले घरेलू टूर्नामेंट में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई सर्किट पर वापसी करते हुए, दो बार के डीपी वर्ल्ड टूर विजेता शर्मा ने अपने अनुभव और क्लास का बेहतरीन प्रदर्शन



करते हुए यह प्रतिष्ठित खिताब जीता।पूरे टूर्नामेंट के दौरान शर्मा का दबदबा कायम रहा। उन्होंने अपनी सटीक बॉल-स्ट्राइकिंग और शांत स्वभाव के दम पर कोर्स को लगातार नियंत्रित किया।

टेनिस प्रशंसकों को झटका, मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे जोकोविच

एजेंसी □ नई दिल्ली

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। यह टूर्नामेंट 23 अप्रैल से शुरू होने वाला है, लेकिन जोकोविच ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी।

जोकोविच ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं और जल्द वापसी के लिए अपनी रिकवरी पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'अफसोस की बात है कि मैं इस साल मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। मैं जल्द ही वापसी करने के लिए अपनी रिकवरी जारी रखे हुए हूं। जल्द ही मिलते हैं!' टूर्नामेंट आयोजकों ने भी बयान जारी करते हुए कहा कि तीन बार के चैंपियन जोकोविच इस साल प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे और उम्मीद जताई कि वह जल्द ही वापसी करेंगे।

39 वर्षीय जोकोविच पिछले एक महीने से कोर्ट से दूर हैं। उन्होंने अपना आखिरी मैच इंडियन वेल्स में खेला था, जहां चौथे राउंड में उन्हें जैक ड्रेपर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस साल जोकोविच ने केवल दो टूर्नामेंट खेले हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन में वह उपविजेता रहे, जबकि इंडियन वेल्स में राउंड ऑफ 16 तक पहुंचे। उन्होंने पिछले महीने मियामी ओपन से भी दाएं कंधे की चोट के कारण नाम वापस लिया था।



तीन बार जीत चुके मैड्रिड ओपन का खिताब

जोकोविच ने अपने करियर में मैड्रिड ओपन तीन बार (2011, 2016 और 2019) जीता है और इस टूर्नामेंट में उनका रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। उन्होंने यहां 30 मैच जीते हैं और केवल 10 हारे हैं। अब जोकोविच अगला टूर्नामेंट इटैलियन ओपन खेलने के लिए सूचीबद्ध हैं, जो आठ मई से शुरू होगा। हालांकि, इसमें उनकी भागीदारी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी।

आज से शुरू हो रही पहली आईसीसी महिला चैलेंज ट्रॉफी की मेजबानी करेगा रवांडा

एजेंसी □ किगाली (रवांडा)

रवांडा 18 अप्रैल से एक मई तक चलने वाली पहली महिला चैलेंज ट्रॉफी की मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में रवांडा शनिवार को इटली से भिड़ेगा और उसी दिन बाद में दूसरे मैच में नेपाल का मुकाबला अमेरिका से होगा। यह टूर्नामेंट आईसीसी के कैलेंडर में एक नया टूर्नामेंट है, जिसे एसोसिएट महिला टीमों के दूसरे दर्जे की टीमों को मैच खेलने का अनुभव देने के लिए आयोजित किया गया है। मेजबान रवांडा के अलावा इटली, नेपाल, वानुअतु और अमेरिका इस टूर्नामेंट की अन्य टीमें हैं। इसमें कुल 20 मैच खेले जाएंगे। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप यह सुनिश्चित करता है कि टीमों को अधिक से अधिक मैच खेलने का अनुभव मिले, ताकि आने वाले सालों में वे मजबूत विरोधी टीमों के खिलाफ़ खेलने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। यह आईसीसी की उस प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसके तहत वह अपने सभी सदस्यों के लिए प्रासंगिक और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट उपलब्ध कराना चाहता है, और इसके साथ ही वह लगातार महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने की दिशा में भी काम कर रहा है। ये मैच गहांगा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस स्टेडियम में दो सटे हुए मैदान हैं जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच होते हैं - गहांगा क्रिकेट स्टेडियम मेन ओवल और गहांगा क्रिकेट स्टेडियम ओवल बी। रवांडा क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष स्टीफन मूसाले ने कहा, 'यह टूर्नामेंट रवांडा क्रिकेट के विकास का एक सबूत है, और हमारे स्टेकहोल्डर्स, पार्टनर्स और खेल मंत्रालय के लगातार सहयोग के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। हम प्रशंसकों आपसे अपील करते हैं कि आप गहांगा स्टेडियम के स्टैंड्स को अपनी एनर्जी और जोश से भर दें। आइए, हमारी खेल यात्रा के इस ऐतिहासिक पड़ाव पर अपनी टीम का हौसला बढ़ाते हुए हम पूरी दुनिया को रवांडा की मेहमाननवाजी की गर्मजोशी दिखाएं।'

विश्व पर्यावरण दिवस पर हाईवे किनारे वृक्षारोपण की मांग : डॉ विकुल मलिक

दैनिक बुलंद मंज़िल/ सलीम हैदर

बरूकी/बिजनौर। अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के प्रदेश सचिव एवं उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ विकुल मलिक ने भारत सरकार के केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव तथा उत्तर प्रदेश सरकार में वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ अरुण कुमार सक्सेना को पत्र भेजकर जनपद बिजनौर से





निकल रहे पानीपत-खटीमा नेशनल हाईवे सहित जिले से गुजर रहे सभी हाईवे के दोनों ओर 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कराने की मांग की है। डॉ विकुल मलिक ने अपने पत्र में कहा कि हाईवे निर्माण कंपनियों द्वारा सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य के दौरान जनपद बिजनौर की विभिन्न सड़कों से बड़ी संख्या में छायादार वृक्ष कटवा दिए गए थे, जिससे पर्यावरण संतुलन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर वृक्ष न होने से प्रदूषण बढ़ रहा है और दोपहिया वाहन चालकों सहित अन्य यात्रियों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने जनपद बिजनौर की सभी स्वयंसेवी संस्थाओं से भी अपील की है कि वे अभी से 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षविहीन हो चुकी सड़कों के किनारे वृक्षारोपण करने का संकल्प लें।

तहसील बिजनौर (सदर) में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित, जिलाधिकारी ने दिए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल/ उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने तहसील बिजनौर (सदर) में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित अधिकारियों को जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि शिकायतकर्ता अपनी शिकायत पुनः प्रस्तुत कर रहा है, तो इसका सीधा अर्थ है कि उसकी शिकायत को गंभीरतापूर्वक नहीं सुना गया अथवा उसका मानक के



अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं किया गया है। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेते हुए उनका निस्तारण पूर्ण गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण हेतु मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से संपर्क करें तथा स्थानीय लोगों से भी वार्ता करें, ताकि शिकायत की सत्यता प्रमाणित हो सके और उसका स्थायी एवं प्रभावी समाधान कराया जा सके। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार जन शिकायतों के निस्तारण को लेकर अत्यंत संवेदनशील एवं गंभीर है तथा उच्च स्तर से शिकायतों की गुणवत्ता की सीधे समीक्षा की जाती है। अतः सभी अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। इस आयोजित तहसील दिवस में कुल 32 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों के माध्यम से निराकरण करा दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर एसपी अभिषेक झा, एसडीएम रितु रानी, सीओ सिटी संग्राम सिंह, तहसीलदार सहित अन्य सभी जिला स्तरीय एवं स्थानीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कासमपुरगढ़ी में पांच दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ, जसपुर ने जीता पहला मुकाबला

दैनिक बुलंद मंज़िल/मौहम्मद फैजान

अफजलगढ़। एसीएम इंटर कॉलेज कासमपुरगढ़ी के मैदान में पांच दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह राठी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (तोमर गुट) के प्रदेश युवा उपाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान ने थाना प्रभारी का फूलमालाओं से स्वागत किया तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह राठी ने कहा कि खेल को खेल भावना के साथ खेलने से शरीर स्वस्थ रहता है और मानसिक विकास होता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी न होने की बात कहते हुए उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन देने पर जोर दिया। साथ ही खिलाड़ियों से अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की। टूर्नामेंट के पहले दिन जसपुर और ठाकुरद्वारा की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। ठाकुरद्वारा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 127



रन बनाए। जवाब में जसपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 8 ओवर में 2 विकेट खोकर 128 रन बनाकर मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया। मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए करण कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मुकाबले में फरहान और आकिब अंसारी ने रेफरी की भूमिका निभाई। इस दौरान मोहम्मद हबीब, मोहम्मद दानिश, मोहम्मद अहमद कस्सार, मोहम्मद नफीस, सुंदर चौहान, जीशान, लियाकत, शाहस्वद, कादरी मोहम्मद जावेद, मोहम्मद शुएब सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एक महीना, फिर भी आरोपी फरार

प्रशांत सैनी हत्याकांड में पुलिस पर उठे सवाल, 22 अप्रैल को बड़े आंदोलन की चेतावनी

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव हैजरपुर निवासी प्रशांत सैनी हत्याकांड में एक माह बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से जनपद में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पीड़ित परिवार जहां न्याय की आस लगाए बैठा है, वहीं पुलिस की धीमी कार्रवाई को लेकर लोगों में नाराजगी साफ नजर आ रही है।

पीड़ित के पिता सियाराम भारती ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि

थाना चांदपुर पुलिस एवं उच्च अधिकारी मामले की जांच में



ढिलाई बरत रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने जांच में छेड़छाड़ की आशंका भी जताई है, जिससे न्याय मिलने पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कैंडल मार्च और प्रदर्शन के बावजूद नहीं हुई गिरफ्तारी

पीड़ित पक्ष के अनुसार, पिछले एक महीने में जिले के विभिन्न गांवों और शहरों में कई बार कैंडल मार्च निकाले जा चुके हैं। सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने भी लगातार बैठकें और विरोध प्रदर्शन किए हैं, लेकिन इसके बावजूद मुख्य आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

22 अप्रैल को डीएम कार्यालय पर

धरना, आमरण अनशन की चेतावनी

प्रशासन की निष्क्रियता से आक्रोशित पीड़ित परिवार ने 22 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। उन्होंने साफ कहा है कि यदि इसके बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है, तो आमरण अनशन शुरू किया जाएगा।

पीड़ित परिवार की प्रमुख मांगें

पीड़ित पक्ष ने प्रशासन से मुख्य आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी, परिवार को आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, निष्पक्ष जांच कराने तथा सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

इस हत्याकांड को लेकर बढ़ता जनाक्रोश प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पुलिस और प्रशासन कब तक आरोपियों को गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय दिला पाते हैं।

स्मार्ट मीटर बना सिरदर्द, सड़कों पर उतरीं महिलाएं

चांदपुर में बिजली विभाग के खिलाफ उग्र प्रदर्शन, प्रीपेड सिस्टम हटाने की मांग

दैनिक बुलंद मंजिल/ नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर में स्मार्ट मीटर और प्रीपेड बिजली व्यवस्था के विरोध में महिला उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के चेयरमैन के गृह नगर में स्थित एक्सईएन बिजली विभाग कार्यालय पर शुक्रवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। देखते ही देखते प्रदर्शन ने उग्र रूप ले लिया और मौके पर हंगामे जैसी स्थिति बन गई।

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिलों में अचानक भारी वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू बजट बिगड़ गया





है। वहीं प्रीपेड रिचार्ज प्रणाली के चलते बार-बार बिजली रिचार्ज कराना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं का कहना था कि हम घर का खर्च चलाएं या बार-बार बिजली रिचार्ज कराएं। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और महिलाओं के समर्थन में शामिल हो गए, जिससे माहौल और अधिक गरमा गया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को बुलाया गया, जिसने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित किया और प्रदर्शनकारियों को शांत कराया। महिलाओं ने मांग की कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था को तुरंत बंद किया जाए और प्रीपेड सिस्टम को समाप्त कर पहले की तरह पोस्टपेड व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही उन्होंने गरीब मजदूरों के कटे हुए बिजली कनेक्शन तुरंत जोड़ने की मांग भी उठाई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

इस संबंध में चांदपुर एक्सईएन राजेन्द्र कुमार ने स्पष्ट किया कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था विभागीय नीति के तहत लागू की गई है और इसे हटाने का कोई निर्देश नहीं है। उन्होंने बताया कि विभागीय मंत्री ए.के. शर्मा और चेयरमैन आशीष गोयल के आदेशों के अनुसार ही कार्य किया जा रहा है। प्रीपेड को पोस्टपेड में बदलने के संबंध में भी अभी तक कोई आधिकारिक आदेश प्राप्त नहीं हुआ है।

वहीं, केंद्रीय स्तर पर यह बात सामने आई है कि प्रीपेड व्यवस्था उपभोक्ताओं की सहमति से लागू होनी चाहिए, लेकिन इस संबंध में स्थानीय स्तर पर कोई नया निर्देश नहीं मिला है। चांदपुर में महिलाओं का यह प्रदर्शन बिजली व्यवस्था को लेकर बढ़ते असंतोष का बड़ा संकेत माना जा रहा है, जो आने वाले समय में और व्यापक रूप ले सकता है।

नजीबाबाद तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित, 21 शिकायतें प्राप्त

दैनिक बुलंद मंज़िल /मौहम्मद फैजान

नजीबाबाद। तहसील में शनिवार, 18 अप्रैल 2026 को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एडीएम वानिया सिंह, उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार तथा क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार ने संयुक्त रूप से जनसुनवाई की और लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 21 शिकायतें प्राप्त हुईं। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग से संबंधित 11, पुलिस विभाग से 6, विकास विभाग से 1 तथा अन्य विभागों से 3 शिकायतें शामिल रहीं। अधिकारियों ने कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के



अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए गए।इस अवसर पर एडीएम वानिया सिंह ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि जनता की समस्याओं का समाधान तहसील स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।उन्होंने यह भी कहा कि लंबित मामलों की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में तहसील स्तर के सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन साल बाद भी सूखा नल

बीबीपुरा में जल जीवन मिशन की टंकी अधूरी, सड़कें टूटी–ग्रामीणों में बढ़ा आक्रोश

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम बीबीपुरा में जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये की लागत से बनाई जा रही पानी की टंकी पिछले तीन वर्षों से अधूरी पड़ी है। योजना शुरू हुए करीब तीन साल दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन आज तक गांव के लोगों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं मिल पाई है, जिससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2023 में यूटीएल गाजा जेवी संस्था द्वारा टंकी का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। इस योजना से करीब 5,045 की आबादी और लगभग 1,121 घरों को लाभ मिलना था। शुरूआती चरण में बोरिंग कराकर पाइपलाइन बिछा दी गई, लेकिन टंकी के मुख्य ढांचे पर ओवरहेड टैंक का निर्माण अब तक पूरा नहीं हो सका है।

सड़कें टूटीं, गड्ढों में तब्दील हुआ गांव

पाइपलाइन डालने के लिए गांव



की आरसीसी सड़कों को जगह-जगह तोड़ दिया गया, लेकिन उन्हें दोबारा ठीक नहीं कराया गया। परिणामस्वरूप सड़कों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। गांववासियों का कहना है कि उन्हें न तो पानी मिल रहा है और न ही सही सड़कें, जिससे दोहरी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

तीन साल से अधूरा काम, जिम्मेदार कौन?

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इतने लंबे समय से योजना अधूरी पड़ी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कराकर पेयजल आपूर्ति शुरू की जाए।

अधिकारियों का बयान–जल्द पूरा होगा कार्य

जल निगम के अवर अभियंता सचिन कुमार ने बताया कि निर्माण कार्य कर रही कंपनी भुगतान विवाद के चलते काम छोड़कर चली गई थी। अब दूसरी कंपनी को कार्य सौंपने की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही टंकी का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा।

गांव में अधूरी पड़ी यह योजना सरकारी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। अब देखना होगा कि बीबीपुरा के ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा कब तक मिल पाती है।

आंधी ने बुझाई 35 गांवों की बिजली

लुहारपुरा बिजलीघर क्षेत्र में पेड़ गिरने से आपूर्ति ठप, रातभर अंधेरे में रहे ग्रामीण





दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर तहसील क्षेत्र के गांव लुहारपुरा स्थित 33/11 केवीए बिजलीघर से जुड़े क्षेत्रों में बीती रात आई तेज आंधी ने बिजली व्यवस्था को पूरी तरह चरमरा दिया। तेज हवाओं के चलते विद्युत लाइनों पर पेड़ गिर गए और कई स्थानों पर खंभे झुकने से करीब 30 से 35 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

अचानक बिजली गुल होने से दर्जनों गांवों के लोग पूरी रात अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। गर्मी के इस मौसम में बिजली न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर धूल भरी आंधी के कारण लोग घरों में कैद हो गए और जनजीवन प्रभावित रहा।

लुहारपुरा बिजलीघर के एसडीओ दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि आंधी के कारण फीडर लाइनों पर पेड़ गिरने और पोल झुकने से व्यापक स्तर पर फाल्ट आ गया था। इसके चलते पूरे फीडर की आपूर्ति बाधित करनी पड़ी।

उन्होंने बताया कि सुबह होते ही विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं और युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया। पेड़ों को हटाने और लाइनों को दुरुस्त करने का काम तेजी से किया जा रहा है।

कई गांवों में बहाल हुई आपूर्ति, बाकी में काम जारी

विभाग के अनुसार, कई गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है, जबकि शेष गांवों में भी तेजी से काम जारी है। जल्द ही सभी प्रभावित क्षेत्रों में आपूर्ति सुचारू रूप से शुरू कर दी जाएगी। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि भविष्य में इस तरह की समस्याओं से निपटने के लिए पहले से ही व्यवस्थाएं मजबूत की जाएं, ताकि आंधी-तूफान के समय बिजली आपूर्ति बाधित न हो। बिजली विभाग का कहना है कि जल्द ही सभी गांवों में बिजली बहाल कर दी जाएगी, जिससे लोगों को राहत मिल सके।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने उच्च प्राथमिक विद्यालय तैमूरपुर दीपा में मिड-डे-मिल की गुणवत्ता जांची, बच्चों संग किया भोजन

दैनिक बुलंद मंज़िल/ मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने उच्च प्राथमिक विद्यालय तैमूरपुर दीपा का निरीक्षण कर मिड-डे-मिल योजना के अंतर्गत बच्चों को दी जाने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। इस दौरान उन्होंने भोजन की स्वच्छता, पौष्टिकता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार किए गए भोजन का परीक्षण भी किया। जिलाधिकारी ने विद्यालय में बच्चों को परोसे जा रहे भोजन की व्यवस्था का जायजा लिया तथा रसोईघर की साफ-सफाई, खाद्य सामग्री के भंडारण एवं भोजन बनाने की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया और बच्चों से भोजन की गुणवत्ता के बारे में भी बातचीत की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय स्टाफ को निर्देश दिए कि बच्चों





को समय पर गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्वच्छता एवं गुणवत्ता के मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा।विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों ने जिलाधिकारी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे निरीक्षणों से व्यवस्थाओं में सुधार होता है और बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं।

डॉ अम्बेडकर के दिखाए रास्ते पर चलते हुए पीडीए को मजबूत करें : विमलेश कुमारी

जाटव समाज से किया समाजवादी पार्टी से जुड़ने का आह्वान



दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। विधानसभा-31 के ग्राम अमियापुर पाचक में आज भारत के महान संविधान निमार्ता, सामाजिक न्याय के अग्रदूत, वंचितों, पिछड़ों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों और दलितों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का जन्मोत्सव पूरे उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चंदौसी विधानसभा की उपविजेता एवं समाजवादी पार्टी की नेत्री विमलेश कुमारी द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात डॉ. भीमराव अंबेडकर समिति पाचक के तत्वाधान में निकाली जा रही भव्य शोभायात्रा का फीता काटकर उद्घाटन किया गया और दलित अस्मिता के प्रतीक नीले झंडे के साथ यात्रा को रवाना किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। बाबा साहेब का जीवन संघर्ष हम सभी के लिए एक प्रेरणा है। विपरीत परिस्थितियों में जन्म लेकर उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। विश्वस्तरीय संस्थाओं से उच्च शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि ज्ञान ही असली शक्ति है।

उन्होंने हमें तीन मूल मंत्र दिए।शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करोह्न यही मंत्र आज भी सामाजिक बदलाव का सबसे बड़ा आधार है। आज के दौर में बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए पी डी ए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) की एकता बेहद जरूरी है। जब तक समाज के ये वर्ग एकजुट होकर अपनी राजनीतिक ताकत नहीं पहचानेंगे, तब तक सामाजिक न्याय अधूरा रहेगा।

समाजवादी पार्टी हमेशा से बाबा साहेब के विचारों पर चलने वाली पार्टी रही है। यह वही विचारधारा है जो हर वर्ग को सम्मान, समान अवसर और अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष करती है। आइए, हम सब मिलकर बाबा साहेब के दिखाए रास्ते पर चलते हुए पी डी ए को मजबूत करें और एक ऐसी सरकार बनाने का संकल्प लें जो संविधान, सामाजिक न्याय और बराबरी के सिद्धांतों को मजबूती से लागू करे। इस मौके पर विवेक गौतम एडवोकेट, राहुल गौतम, वीरपाल सिंह एडवोकेट,अजयं कश्यप, विनीत कुमार, राकेश, रामोतार जाटव, डॉ राघवेंद्र, धर्मेंद्र जाटव, जितेंद्र सागर, अजय गौतम, हरपाल सिंह, बंटी, मनोज भास्कर, कपिल, ऊदल सिंह, सोनू, रवि, कुंवरपाल सिंह, लालू सिंह, राहुल, कमल सिंह आदि लोगों सहित सैकड़ों की संख्या में आंबेडकरवादी उपस्थित रहे।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों में लापरवाही को लेकर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल युवा इकाई ने किया प्रदर्शन



दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों में अत्यधिक देरी और लापरवाही को लेकर नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्त्य में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई ने प्रदर्शन किया। स्थानीय स्तर पर नगरवासियों में काफी असंतोष देखा जा रहा है। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा स्टेशन के सौंदर्यीकरण और आधुनिकीकरण के लिए लगभग ?21 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन लगभग तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी काम की रफ्तार बेहद धीमी है। यात्रियों की सुरक्षा को खतराः प्रवेश मार्ग पर पिलर अधूरे पड़े हैं और बाहर निकली लोहे की सरिया यात्रियों के लिए किसी भी समय हादसे का सबब बन सकती हैं। योजना के तहत संयुक्त प्रतीक्षालय, शौचालय, लिफ्ट और स्वचालित सीढ़ियाँ जैसी सुविधाएं विकसित होनी थीं, जो निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण यात्रियों की पहुँच से बाहर हैं। तत्कालीन डीआरएम ने लगभग 15 बार स्टेशन का निरीक्षण किया और ठेकेदार को निर्देश दिए, फिर भी लापरवाही के कारण कार्य में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। स्थानीय नागरिक और यात्री आए दिन हो रही परेशानियों के कारण रोष व्यक्त कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात स्टेशन परिसर मूलभूत सुविधा का अभाव है भीषण गर्मी में यात्रियों को पीने के पानी तक व्यवस्था नहीं है। अगर जल्द ही कार्य में तेजी नहीं लायी गई तो आमरण अनशन किया जाएगा। प्रदर्शन में शुभम अग्रवाल, अरुण, सोनू, रमाकांत पंडित,राजा कुरैशी, गोविंद, रितिक,मयंक व रतन मेडिकल आदि मौजूद रहे।

जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

तहसील सभागार गुन्नौर में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में आयोजित किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस



दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में तहसील गुन्नौर के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए।

आज तहसील गुन्नौर में आए प्रार्थना पत्रों को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त शिकायती पत्रों को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारी गंभीरता पूर्वक एवं गुणवत्तापूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण निचले स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी द्वारा चकबंदी अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि काश्तकार की समस्या को गम्भीरता से सुना जाए, काश्तकार को कोई समस्या न हो। ठिया हटाने पर एफआईआर दर्ज की जाए। धारा 24 को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि विरासत एवं कुम्हारी कला से संबंधित प्रकरणों को अभियान चलाकर निस्तारण किया जाए। ग्राम वार कब्जा सूची बनवाने को लेकर निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकासचन्द, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पशुशाला में लगी आग दो पशु घायल,दो की हुई मौत

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी आग पर पाया काबू





दैनिक बुलंद मंज़िल

जुनावई थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को अचानक ग्रामीण के पाठशाला एवं छप्परनुमा घर में आग लग गई जिसमें दो पशु घायल हो गए और तो पशुओं की मौत हो गई भी एक मासूम बच्चा भी आग की चपेट में आकर झुलस गया मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर पाया काबू थाना क्षेत्र के खेड़ा फतेहपुर गांव निवासी वीरेश पुत्र रोहन के पशु शाला और घर में अचानक शनिवार को आग लग गई जिसमें वीरेश के पशु अंदर बंधे हुए थे अचानक आग लग जाने से दो पशुओं की जलकर मौत हो गई जबकि दो पशु जलकर गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं पास में वीरेश का 5 वर्षीय बेटा कार्तिक भी आग की चपेट में आकर घायल हो गया इसके साथी ही घर में रखे अन्य सामान भी जलकर राख हो गए इसके साथ ही गांव के ही राजकुमार पुत्र तेजपाल का भी पास में ही पशुशाला और भूसा की दो बुर्जी थी जिसमें भी आग लग गई आग बुझाने की ग्रामीणों ने अपने निजी साधनों से कोशिश की लेकिन विकराल रूप होने के कारण ग्रामीणों को सफलता नहीं मिली वहीं फायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी सूचना दी गई मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया लेकिन जब तक आग बुझाई जाती तब तक दोनों ग्रामीणों का भारी नुकसान हो गया खेड़ा फतेहपुर गांव के पूर्व प्रधान ब्रह्म प्रकाश यादव ने बताया कि यह आग दोपहर के समय अचानक लग गई लेकिन अभी तक आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है`

तेज तूफान में दीवार छत पर गिरने से एक किशोरी की हुई मौत

मकान की दीवार छत पर गिरने से पूरा परिवार नीचे दब गया और 10 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई



मृतक प्रियांशी का फाइल फोटो



बेटी की मौत पर रोता बिलखता परिवार

दैनिक बुलंद मंज़िल

बीरेंद्र सिंह/सिंहपुरसानी । थाना क्षेत्र एचौड़ा कंबोह के गांव भटपुरा में तेज आंधी के कारण एक घर की छत गिरने से 10 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। इस हादसे में बच्ची के माता-पिता सहित चार लोग घायल हुए है।मृतक बच्ची की पहचान शीशपाल की पुत्री प्रियांशी (10) के रूप में हुई है। शुक्रवार रात आई तेज आंधी के कारण पड़ोसी की दीवार शीशपाल के घर पर गिर गई, जिससे उनके मकान की छत भी ढह गई। इस घटना में शीशपाल, उनकी पत्नी ममता, जितेंद्र की पत्नी ज्योति और टैनी की पत्नी मुन्नी देवी घायल हो गईं। सभी घायलों को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रियांशी की मध्यरात्रि लगभग 01:30 बजे निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार के सदस्य बच्ची के शव को घर ले आए। प्रियांशी अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी, और उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। शनिवार सुबह 11 बजे संभल तहसील प्रशासन को घटना की जानकारी मिली। दोपहर को नायब तहसीलदार अरविंद कुमार गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से घटना के बारे में जानकारी ली। हालांकि, परिजनों ने बच्ची का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया। नायब तहसीलदार अरविंद कुमार ने बताया कि रात में आई आंधी के कारण शीशपाल के मकान की छत गिरी, जिसमें उनकी बेटी प्रियांशी की मौत हो गई। अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शासन के निदेर्शों के अनुसार पीड़ित परिवार को मदद दिलाई जाएगी।

संभल जिलाधिकारी ने वैष्णों स्वरूप गुन्नौर भारत गैस एजेंसी का किया औचक निरीक्षण

ओटीपी के नाम पर उपभोक्ताओं नहीं किया जाए परेशान





भूरे सिंह यादव /बुलंद मंज़िल

सम्भल/सौंधन गुन्नौर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया द्वारा किया गया वैष्णों स्वरूप भारत गैस गुन्नौर औचक निरीक्षण ' निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एलपीजी गैस सिलेंडर बुकिंग को लेकर निर्देशित करते हुए कहा की किसी भी उपभोक्ता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए ' पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई जनपद जिला पूर्ति अधिकारी जनपद संजीव कुमार पूर्ति निरीक्षक गुन्नौर राजेन्द्र कुमार पूर्ति निरीक्षक ब्लॉक रजपुरा एवं श्री नकुल कुमार पूर्ति लिपिक गुन्नौर उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय गैस एजेंसी पर गैस एजेंसी प्रबंधक श्री राजवीर एवं समय सिंह उपस्थित मिले। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर गैस एजेंसी के स्टॉक की सघन जांच करायी गयी। मिलान किये जाने पर स्टॉक सही पाया गया। जिलाधिकारी द्वारा गैस एजेंसी प्रबन्धक को निर्देश दिये गये कि प्रत्येक लाभार्थी को गैस बुकिंग के उपरान्त नियमानुसार डी.ए.सी. (ओ.टी.पी.) नम्बर प्राप्त कर सम्बन्धित उपभोक्ता को एल.पी.जी. रिफिल उपलब्ध कराया जाये तथा अनावश्यक रूप से किसी भी उपभोक्ता को परेशान न किया जाये साथ ही गैस एजेंसी पर समस्याओं को लेकर आने वाले उपभोक्ताओं के साथ एजेंसी कर्मचारियों द्वारा शालीनता के साथ नम्रतापूर्वक व्यवहार किया जाये ' तथा उनकी समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये और गैस सिलेण्डर का अनाधिकृत भण्डारण व कालाबाजारी नहीं की जाये। उक्त के अतिरिक्त जिलाधिकारी द्वारा कॉमर्शियल एवं घरेलू सिलेण्डरों के मूल्य स्पष्ट रूप से गैस एजेंसी पर चस्पा करने के निर्देश देते हुये समस्त उपभोक्ताओं को निर्धारित मूल्य पर एल.पी.जी. वितरित करने के निर्देश दिये गये। गैस उपभोक्ताओं द्वारा किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए अगर गैस बुकिंग को लेकर किसी प्रकार की शिकायत मिली तो कार्यवाही की जाएगी।

जनपद न्यायालय स्तिथ स्व. अजीत सिंह एडवोकेट सभागार में साइबर अपराध विषय पर स्वाध्याय मंडल का किया आयोजन



दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। जनपद न्यायालय स्तिथ स्व. अजीत सिंह एडवोकेट सभागार में अधिवक्ता परिषद ब्रज इकाई जनपद सम्भल द्वारा साइबर अपराध विषय पर स्वाध्याय मंडल का आयोजन किया गया। स्वाध्याय मंडल के मुख्य वक्ता अविरल गुप्ता रहे तथा विषय प्रस्तुतिकरण बिक्रम सिंह चौहान द्वारा किया गया। सूचना तकनीक के माध्यम से किये गए अपराध साइबर अपराध की श्रेणी में आते हैं। यह अपराध अपनी पहिचान छिपा कर किये जाते हैं। इन अपराधों के शिकार सबसे ज्यादा बच्चे महिला और कम पढ़े लिखे लोग होते हैं। आजकल सबसे ज्यादा ऐ आई तकनीक के माध्यम से सायबर अपराध किये जा रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग के माध्यम से भी साइबर अपराध किये जा रहे हैं। सुरक्षा के लिए गूगल एकाउंट में टू फेक्टर ऑथेंटिकेशन चालू रखना चाहिये। मोबाइल पर प्राप्त होने वाले किसी अज्ञान नम्बर से आने वाले लिंक न खोले। सावधान और सतर्क रहेंगे तो शिकार होने से बचे रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद कुमार सिंह व संचालन प्रवीण गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में राजीव कुमार शर्मा, विष्णु शर्मा, विभोर बंसल, आकाश मिश्रा, सुनील सिंह, नवनीत सिंह,मनीष नारायण, योगेंद्र सिंह, अभिषेक, अपूर्व सिंह, रविकांत गुप्ता आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

दो बाइक तीव्र गति से आमने-सामने से टकराई दो गंभीर घायल, एक की हुई दर्दनाक मौत



बुलंद मंज़िल

सम्भल/गुन्नौर आगरा-मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर शुक्रवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जुनावई थाना क्षेत्र के इटऊआ पुलिया के पास उस समय हुआ, जब दो बाइक आमने-सामने टकरा गईं। जानकारी के अनुसार, गांव घौंसली अनिरुद्ध निवासी तेजपाल पुत्र मौहकम बाइक से बबराला की ओर आ रहे थे। तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तेजपाल समेत दूसरी बाइक पर सवार बदायूं जिले के जरीफनगर निवासी राजेश कुमार पुत्र रामप्रकाश और दिनेश कुमार पुत्र डालचंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुन्नौर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तेजपाल को मृत घोषित कर दिया। अन्य दोनों घायलों का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष सौरभ त्यागी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
रविवार, 19 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

गौकशी से लेकर गौशालाओं तक–कौन लेगा जिम्मेदारी

जनपद में बढ़ती घटनाओं पर सवाल, सीएम Yogi Adityanath से हस्तक्षेप की मांग






दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । जनपद में लगातार सामने आ रही गौकशी की घटनाओं ने जहां कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर गौशालाओं में गौमाताओं की दयनीय स्थिति ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। हालात ऐसे हैं कि एक तरफ अवैध कटान की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं, तो दूसरी ओर संरक्षण के नाम पर संचालित गौशालाओं में भी पशुओं की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

रात के अंधेरे में सक्रिय गिरोह, कार्रवाई पर सवाल

ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार गौकशी की घटनाएं सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कार्य संगठित गिरोहों द्वारा किया जा रहा है, जो सुनसान इलाकों में वारदातों को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। कई बार शिकायतों के बावजूद समय पर कार्रवाई न होने से लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। गौशालाओं में बदहाली–भूख, बीमारी और अव्यवस्था

जनपद की कई गौशालाओं की स्थिति भी बेहद खराब बताई जा रही है। गौमाताओं को पर्याप्त चारा-पानी नहीं मिल पा रहा, कई स्थानों पर बीमार पशु बिना इलाज के तड़पते नजर आते हैं। सफाई व्यवस्था भी बदहाल है, जिससे संक्रमण का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा दिए जा रहे बजट और योजनाओं का सही क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा।

विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के बयान

प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशांत तोमर (विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ)

प्रशांत तोमर ने कड़े शब्दों में कहा कि जनपद में जिस तरह लगातार गौकशी की घटनाएं हो रही हैं, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई की जाती, तो यह सिलसिला नहीं बढ़ता। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि गौकशी में शामिल लोगों की तत्काल गिरफ्तारी कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी



कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई ऐसी हिम्मत न कर सके।

प्रदेश उपाध्यक्ष स्वाति तोमर (विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ)

स्वाति तोमर ने गौशालाओं की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि गौमाताओं के नाम पर योजनाएं तो बनती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका क्रियान्वयन बेहद कमजोर है। उन्होंने कहा कि कई गौशालाओं में पशुओं को न तो पर्याप्त भोजन मिल रहा है और न ही उचित इलाज। यह स्थिति बेहद पीड़ादायक है और इसे तुरंत सुधारने की जरूरत है।

विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के प्रदेश मंत्री एवं चैनल इन चीफ सिटी न्यूज ऑल इंडिया व वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र सिंह राजपूत

नागेन्द्र सिंह राजपूत ने कहा कि यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भी मुद्दा है। उन्होंने कहा कि एक ओर गौकशी की घटनाएं हो रही हैं और दूसरी ओर गौशालाओं में ही गौमाताएं बदहाल हैं, जो प्रशासनिक विफलता को दशार्ता है। उन्होंने निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए कहा कि दोषियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा (विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ)

दीपक शर्मा ने कहा कि यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि गौ रक्षा केवल नारे तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि धरातल पर प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि गौकशी और गौशालाओं की बदहाली पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई, तो जनपद में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

सीएम से हस्तक्षेप की मांग

स्थानीय लोगों और संगठनों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गौ-रक्षा पीठाधीश्वर ङ्ख ॅ३८ल्लंङ्म से इस पूरे मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि प्रदेश में गौ संरक्षण को लेकर सख्त नीति होने के बावजूद जमीनी हालात चिंताजनक हैं, जिन्हें सुधारने के लिए उच्च स्तर से ठोस कदम जरूरी हैं।

प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती

विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि पशु संरक्षण और प्रशासनिक जवाबदेही का भी प्रश्न है। अब देखना होगा कि प्रशासन और सरकार इस गंभीर मुद्दे पर कितनी तेजी और सख्ती से कदम उठाते हैं।

खाद पर किसान आईडी का पहरा, 1 जून से बिना आईडी नहीं मिलेगी यूरिया-डीएपी, सरकारी योजनाएं भी होंगी लिंक

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत



चांदपुर । प्रदेश सरकार ने कृषि व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और खाद वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब किसानों को खाद खरीदने के लिए किसान आईडी अनिवार्य होगी। यह नई व्यवस्था आगामी 1 जून से लागू करने की तैयारी है। इसके साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी अब किसान आईडी के माध्यम से ही दिया जाएगा।

किसान रजिस्ट्री से बनेगी नई पहचान

सरकार द्वारा किसानों के खेतों के खाता नंबर और रकबा को आधार से लिंक कर किसान रजिस्ट्री तैयार की जा रही है। इसी प्रक्रिया के तहत हर किसान को एक यूनिक किसान आईडी प्रदान की जा रही है, जो भविष्य में उसकी पहचान का मुख्य आधार बनेगी। अब तक प्रदेश में करीब 2 करोड़ किसानों की आईडी तैयार की जा चुकी है, जबकि लक्ष्य 2.85 करोड़ का रखा गया है।

ई-पॉस मशीन से होगी खाद की निगरानी

नई व्यवस्था के तहत खाद की बिक्री ई-पॉस मशीन के माध्यम से होगी, जहां किसान की आईडी दर्ज की जाएगी। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि किसान पहले कितनी खाद खरीद चुका है, जिससे कालाबाजारी और अनियमित वितरण पर प्रभावी रोक लगेगी।

खाद वितरण का तय मानक लागू

कृषि विभाग ने प्रति हेक्टेयर खाद वितरण के मानक निर्धारित किए हैं। रबी सीजन में एक हेक्टेयर पर 7 बोरी यूरिया और 5 बोरी डीएपी देने की रणनीति अपनाई गई थी, जिसे अब किसान आईडी के जरिए लागू किया जाएगा। वहीं जिन क्षेत्रों में दो फसलें होती हैं, वहां 14 बोरी यूरिया और 10 बोरी डीएपी तक की व्यवस्था की जाएगी।

योजनाओं का लाभ भी आईडी से जुड़ा

अब केवल खाद ही नहीं, बल्कि पीएम किसान सम्मान निधि समेत अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी किसान आईडी अनिवार्य कर दी जाएगी। बिना आईडी के किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल सकेगा।

लक्ष्य अधूरा, बढ़ी चुनौती

सरकार ने पहले चरण में 2.85 करोड़ किसानों की आईडी बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन अभी तक करीब 2 करोड़ किसानों की ही आईडी बन पाई है। ऐसे में शेष लगभग 85 लाख किसानों की आईडी निर्धारित समय में बनाना बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

पीएम किसान की किस्त पर भी असर संभव

प्रदेश में 1.75 करोड़ से अधिक किसान पीएम किसान सम्मान निधि योजना से जुड़े हैं, लेकिन इनमें से करीब 10 लाख किसानों की आईडी अब तक नहीं बन सकी है। ऐसे में उनकी आगामी किस्त अटकने की संभावना जताई जा रही है।

सरकार का भरोसा–समय पर पूरी होगी प्रक्रिया

कृषि विभाग के प्रमुख सचिव रविंद्र ने दावा किया है कि 1 जून से यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी और उससे पहले सभी किसानों की आईडी तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की इस नई पहल से जहां व्यवस्था में पारदर्शिता आने की उम्मीद है, वहीं किसानों के सामने समय पर आईडी बनवाने की चुनौती भी खड़ी हो गई है।

धूल भरी आंधी के बाद बदला मौसम का मिजाज

चांदपुर-स्याऊ में काले बादलों ने दिन में किया अंधेरा, बूंदाबांदी से मिली भीषण गर्मी से राहत

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत



चांदपुर/स्याऊ। क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम मौसम ने अचानक करवट लेकर लोगों को चौंका दिया। तेज धूल भरी आंधी और उसके बाद हुई हल्की बूंदाबांदी ने जहां कुछ देर के लिए जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया, वहीं भीषण गर्मी से परेशान लोगों को बड़ी राहत भी दिलाई। शाम होते-होते अचानक तेज हवाएं चलने लगीं और कुछ ही देर में आसमान काले बादलों से ढक गया। आंधी इतनी तेज थी कि दिन में ही अंधेरा छा गया। सड़कों पर धूल का घना गुबार फैल गया, जिससे वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर लोगों को अपने वाहन रोकने या धीमी गति से चलाने पर मजबूर होना पड़ा। आंधी के दौरान आसमान में लगातार बिजली चमकती रही, जिससे माहौल और भी भयावह हो गया। राहगीरों और बाजार में मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थानों की तलाश करनी पड़ी। तेज हवाओं के कारण खुले इलाकों में खड़े लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। आंधी थमने के बाद क्षेत्र में हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई, जिसने मौसम को सुहावना बना दिया। तापमान में गिरावट दर्ज की गई और दिनभर की तपती गर्मी से लोगों को काफी सुकून मिला। कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी के बाद इस बदलाव ने लोगों के चेहरों पर राहत की मुस्कान ला दी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि लंबे समय से गर्मी अपने चरम पर थी और इस अचानक हुए मौसम परिवर्तन ने काफी राहत पहुंचाई है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले एक-दो दिनों तक मौसम का यही रुख बना रह सकता है। हल्की बारिश और बादलों की आवाजाही जारी रहने की संभावना है, जिससे क्षेत्र में तापमान और गिर सकता है और लोगों को गर्मी से और राहत मिलने की उम्मीद है।

प्रशांत हत्याकांडः मंत्री कपिलदेव अग्रवाल पहुंचे पीड़ित परिवार के बीच

5 लाख की आर्थिक सहायता, पत्नी को नौकरी का आश्वासन–कहा, आरोपी नहीं बचेंगे

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत




चांदपुर। थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव हैजरपुर में हुए चर्चित प्रशांत हत्याकांड ने पूरे जिले की सियासत को गरमा दिया है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार के कौशल विकास मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री कपिलदेव अग्रवाल शनिवार को गांव हैजरपुर पहुंचे, जहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव मदद और न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। मंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस जघन्य हत्याकांड में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हर स्तर पर सहायता दी जाएगी। इस दौरान मंत्री ने पार्टी की ओर से पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही मृतक प्रशांत की पत्नी को आउटसोर्सिंग के माध्यम से नौकरी दिलाने का भी आश्वासन दिया, जिससे परिवार को आर्थिक सहारा मिल सके। मामूली विवाद बना मौत की वजह जानकारी के अनुसार, 22 मार्च को एक युवती की स्कूटी प्रशांत की बाइक से टकरा गई थी। इस मामूली घटना के बाद युवती के परिजन मौके पर पहुंचे और प्रशांत के साथ मारपीट की। आरोप है कि इसके बाद उसे जबरन अपने साथ ले जाकर बर्बरता की गई और जंगल में फेंक दिया गया। गंभीर हालत में परिजनों ने उसे मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां 27 मार्च को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया और मामला तेजी से राजनीतिक रंग लेने लगा। नेताओं का तांता, न्याय की मांग तेज ाटना के बाद से कई सांसद, जनप्रतिनिधि और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता गांव पहुंच चुके हैं और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। प्रभारी मंत्री का दौरा भी इसी क्रम में अहम माना जा रहा है। इस मौके पर जिलाधिकारी जसजीत कौर, एसपी सिटी, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान सहित कई अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। परिवार को न्याय का इंतजार मंत्री के आश्वासन के बाद परिवार में उम्मीद जगी है, लेकिन अब सबकी नजर प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई पर टिकी है। यदि समय रहते दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मामला और तूल पकड़ सकता है।

नारी सम्मान के मुद्दे पर सड़कों पर उतरी शिवसेना

चांदपुर में जोरदार प्रदर्शन, विपक्ष के खिलाफ काला झंडा जुलूस

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत



चांदपुर। लोकसभा में पारित होने वाले बिल को लेकर विपक्षी गठबंधन के रुख के विरोध में चांदपुर में शिवसेना कार्यकताओं का आक्रोश सड़कों पर फूट पड़ा। शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह के नेतृत्व में बसंती देवी धर्मशाला में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विपक्षी दलों पर नारी समाज के अपमान का आरोप लगाया गया। बैठक के बाद कार्यकताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए बसंती देवी धर्मशाला से काला कपड़ा दिखाकर जुलूस निकाला। यह जुलूस फव्वारा चौक से होते हुए रेलवे स्टेशन तक पहुंचा, जहां पूरे रास्ते कार्यकताओं ने नारेबाजी कर विपक्षी दलों के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान क्षेत्र में काफी देर तक राजनीतिक माहौल गरमाया रहा। जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विपक्षी पार्टियों का यह रवैया दशार्ता है कि वे नहीं चाहते कि देश की महिलाएं आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आज भारतीय नारी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है और देश का नाम रोशन कर रही है, ऐसे में उनका अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि शिवसेना सदैव महिला सशक्तिकरण के पक्ष में खड़ी रही है और आगे भी नारी सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कार्यकताओं से आान किया कि वे समाज में महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाएं। इस मौके पर ऋतुल शर्मा, मुकेश लांबा, डॉ. दिनेश तोमर, शशि कुमार, विजय मोहन गुप्ता, राजीव अहलावत, भूपेंद्र कुमार, मोहित राजपूत, मनोज कुमार, संदीप चौहान, दीपक कुमार, अरुण सैनी, मंजीत सैनी, पुलकित त्यागी, राहुल त्यागी, राकेश ठाकुर, दीपक देशवाल समेत बड़ी संख्या में शिवसेना कार्यकर्ता मौजूद रहे। शिवसेना के इस प्रदर्शन ने नारी सम्मान के मुद्दे को लेकर क्षेत्र की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है और आने वाले समय में इस मुद्दे पर और तेज राजनीतिक प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है।

जनगणना प्रशिक्षण संपन्न,245 कार्मिकों को दी गई ट्रेनिंग

दैनिक बुलंद मंजिल/यासिर शम्सी



नगीना। तहसील क्षेत्र में जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को सफल समापन हो गया।कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 245 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन हिंदू इंटर कॉलेज व एम.एम. इंटर कॉलेज में किया गया,जिसमें विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं संबंधित कार्मिकों ने भाग लिया।समापन अवसर पर तहसीलदार अमरपाल ने प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील है,जिसे पूरी ईमानदारी,सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए।सभी कार्मिकों को अपने आवंटित क्षेत्रों में समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने और त्रुटिरहित आंकड़े संकलित करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने कहा कि जनगणना से जुड़े आंकड़ों की गोपनीयता बनाए रखना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है।साथ ही जनगणना शुरू होने से पहले अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की अपील भी की,ताकि आमजन सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध करा सकें। बताया गया कि जनगणना 2027 इस बार डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी।आमजन की सुविधा के लिए सेल्फ एन्यूमरेशन की व्यवस्था भी लागू की जाएगी, जिससे नागरिक स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सर्वेक्षण की कार्यप्रणाली,तकनीकी पहलुओं और डेटा संकलन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दी गईं।

क्लीनिक से नकदी व दस्तावेज चोरी का खुलासा,बाल अपचारी पुलिस निगरानी में

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। नगर के मोहल्ला कायस्थ सराय स्थित एक क्लीनिक में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक बालअपचारी को निगरानी में लिया है।उसके कब्जे से चोरी की गई नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार,मोहल्ला कायस्थ सराय निवासी अंकित सैनी ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसके क्लीनिक के गल्ले से अज्ञात चोर करीब 20 हजार रुपये,कागजात,डेबिट कार्ड और पैन कार्ड चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।जांच के दौरान पुलिस ने एक बालअपचारी को निगरानी में लिया,जिसके कब्जे से 17,500 रुपये नकद,एक पैन कार्ड और एक डेबिट कार्ड बरामद हुआ।

बुजुर्ग के साथ मारपीट व उत्पीड़न का आरोप, पुलिस अधीक्षक बिजनौर से कार्रवाई की मांग

दैनिक बुलंद मंजिल

बिजनौर। थाना नहटौर क्षेत्र के बेगराजपुर निवासी 60 वर्षीय बुजुर्ग मोहम्मद असलम ने कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित के अनुसार वह वृद्ध एवं बीमार हैं, चलने-फिरने में असमर्थ हैं तथा दोनों कानों से कम सुनते हैं। वह लोगों को दुआ पढ़कर पानी देते हैं और किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लेते।पीड़ित का आरोप है कि क्षेत्र के कुछ व्यक्ति–फैसल पुत्र शमीम, सलीम उर्फ पप्पू पुत्र यूनुस तथा सुबामा उर्फ ओवेस निवासी मोहल्ला नौधना, थाना शेरकोट–पुरानी रंजिश के चलते उन्हें लगातार परेशान कर रहे हैं। आरोप है कि उक्त लोग आए दिन गाली-गलौच, धमकी और मारपीट पर उतारू हो जाते हैं तथा पहले भी कई बार उनके साथ दुर्व्यवहार कर चुके हैं।पीड़ित के अनुसार 22 मार्च 2026 की रात करीब 8:30 बजे जब वह अपने घर में बैठे हुए थे, तभी आरोपीगण घर में घुस आए और कथित रूप से गाली-गलौच करते हुए उनके साथ मारपीट की। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग निकले।मोहम्मद असलम का कहना है कि आरोपियों द्वारा उन्हें और उनके परिवार को लगातार धमकाया जा रहा है, यहां तक कि उनकी बेटी के बारे में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। इससे वह मानसिक और शारीरिक रूप से काफी परेशान हैं।पीड़ित ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक बिजनौर, थाना नहटौर सहित अन्य अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उनका आरोप है कि आरोपी प्रभावशाली और आर्थिक रूप से मजबूत हैं, जिसके कारण उन्हें न्याय मिलने में कठिनाई हो रही है।पीड़ित ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि उन्हें और उनके परिवार को न्याय मिल सके।



दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
रविवार, 19 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना की 04 इकाईयों स्थापित कराने का लक्ष्य निधारित

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल। उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना संचालित की जा रही है। जिसके अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु शासन द्वारा 04 इकाईयों स्थापित कराने का लक्ष्य निधारित किया गया है। योजनान्तर्गत परम्परागत कारीगर / माटीकला विद्या से संबंधित व्यवसायिक गतिविधियों, यथा- खिलौना निर्माण, घरेलू उपयोग (प्रेशर कूकर, घड़ा, सुराही, जग, कुलहड़, ग्लास, अचारदानी, कटोरी, कप-प्लेट) इत्यादि, सजावटी वस्तुएं जैसे गुलदस्ता, गार्डन पॉटर्स, बोनसाई पॉट्स लैम्प आदि को बढ़ावा दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यार्थियों को स्वरोजगार स्थापित कराने हेतु परियोजना लागत के सापेक्ष अधिकतम धनराशि रू0-10.00 लाख तक का बैंक ऋण उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। जिसमें टर्मलोन पर 25 प्रतिशत अनुदान मार्जिन मनी के रूप में शासन द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। कोई भी आवेदक अपना आवेदन पत्र माटीकला पोर्टल ६६६.४स्रें३ुङ्घं१ि्ल्ल पर 15 मई 2026 तक ऑन लाइन कर सकते है। आदेवन के लिए आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटो, जाति प्रमाण-पत्र (जहाँ लागू हो), शैक्षिक योग्यता, सामान्य निवास प्रमाण पत्र, प्रोजेक्त रिपोर्ट होना अनिवार्य है। अभ्यार्थी की आयु 18 वर्ष से 55 वर्ष तक तथा 5.00 लाख से ऊपर के प्रोजेक्ट के लिये कम से कम 8वी पास होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, डी०एल० कालोनी स्टेशन रोड बहजोई में सम्पर्क कर सकते है।

द हेजलमून स्कूल में रोबोटिक्स वर्कशॉप का शानदार आयोजन, बच्चों ने सीखी तकनीक की नई दुनिया

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत



चांदपुर । आधुनिक शिक्षा की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए द हेजलमून स्कूल में विद्यार्थियों के लिए रोबोटिक्स वर्कशॉप का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को नई तकनीकों जैसे रोबोटिक्स, कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) से परिचित कराना रहा, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। वर्कशॉप का संचालन गुरूटेक रोबोटिक्स के को-फाउंडर्स प्रियांशु गोयल, प्रतीक छाबड़ा एवं उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। टीम ने विद्यार्थियों को बेहद सरल और रोचक अंदाज में तकनीकी ज्ञान प्रदान किया, जिससे बच्चों में सीखने के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। इस वर्कशॉप में कक्षा 4 से 8 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वयं विभिन्न मॉडल तैयार किए। बच्चों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, सर्किट, रोबोटिक्स और मशीनों की कार्यप्रणाली को समझते हुए स्क्रैच प्लेटफॉर्म के माध्यम से कोडिंग की शुरूआती जानकारी भी हासिल की। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बुनियादी अवधारणाओं से भी परिचित हुए। नई शिक्षा नीति (ठएढ 2020) के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में रचनात्मकता, तार्किक सोच और समस्या समाधान की क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्कशॉप के दौरान बच्चों में नई चीजें सीखने का उत्साह और आत्मविश्वास साफ झलकता नजर आया।

इस अवसर पर विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती शक्ति अनिरुद्ध मित्तल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ते हैं और उनके उज्जवल भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं। वहीं प्रधानाचार्या श्रीमती गरिमा सिंह ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए खुशी व्यक्त की और भविष्य में भी इस प्रकार की वर्कशॉप आयोजित करने की इच्छा जताई। यह वर्कशॉप न केवल विद्यार्थियों के लिए एक नई सीख लेकर आई, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित हुई।

मातृत्व के नाम पर मौत का खेल!

जनपद में जच्चा-बच्चा अस्पतालों की भरमार, झोलाछाप इलाज और कमीशनखोरी से उठे गंभीर सवाल

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत



चांदपुर । जनपद में तेजी से बढ़ रहे जच्चा-बच्चा अस्पताल अब चिंता का बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। जहां एक ओर इन अस्पतालों का उद्देश्य सुरक्षित प्रसव और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना होना चाहिए, वहीं दूसरी ओर लगातार सामने आ रही लापरवाही और गलत इलाज की घटनाओं ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालात ऐसे हैं कि कभी जच्चा तो कभी नवजात की मौत की खबरें आम होती जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग की कार्रवाई अक्सर औपचारिकता तक ही सीमित नजर आती है।

सूत्रों और स्थानीय लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग तभी सक्रिय होता है जब किसी घटना के बाद परिजन हंगामा करते हैं या मामला तूल पकड़ लेता है। अन्यथा, अधिकांश अस्पताल बिना मानकों के खुलेआम संचालित हो रहे हैं।

गांव-गांव खुल गए अस्पताल, डॉक्टर नदारद–नर्सिंग स्टाफ के भरोसे इलाज

चौंकाने वाली बात यह है कि अब यह समस्या केवल शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी जच्चा-बच्चा अस्पतालों की बाढ़ आ गई है। कई स्थानों पर योग्य और पंजीकृत डॉक्टरों की अनुपस्थिति में नर्सिंग स्टाफ ही इलाज करता हुआ पाया जाता है, जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ रही है।

निरीक्षण हो तो खुल सकती है बड़ी पोल

जानकारों का मानना है कि यदि जनपद स्तर पर सख्त निरीक्षण अभियान चलाया जाए, तो बड़ी संख्या में ऐसे अस्पताल सामने आएंगे जो नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। ये अस्पताल मरीजों की सुरक्षा से ज्यादा अपनी कमाई पर ध्यान दे रहे हैं। चांदपुर, नूरपुर ,धामपुर, स्योहारा ,बिजनौर और नजीबाबाद क्षेत्रों में हाल के समय में कई संदिग्ध मौतों ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। कमीशन का जालः इलाज से ज्यादा सौदेबाजी पर जोर सूत्रों के मुताबिक, छोटे अस्पताल बड़े डॉक्टरों और निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों से सांठगांठ कर मरीजों को रेफर करने के नाम पर मोटा कमीशन लेते हैं। मरीजों को अनावश्यक जांचों के लिए भेजा जाता है, जहां से भी अस्पतालों को कमीशन मिलता है। इस पूरी प्रक्रिया में आर्थिक बोझ सीधे मरीजों और उनके परिवारों पर पड़ता है।

जनता में आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग

लगातार बढ़ रही घटनाओं से आमजन में आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन अस्पतालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो यह लापरवाही और भ्रष्टाचार का खेल यूं ही चलता रहेगा और मासूम जानें यूं ही जाती रहेंगी।

जनपदवासियों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि अवैध व मानकविहीन अस्पतालों पर तत्काल कार्रवाई कर सख्त नियम लागू किए जाएं, ताकि मातृत्व जैसी संवेदनशील सेवा को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाया जा सके।

संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित,15 शिकायतों में एक का मौके पर निस्तारण

दैनिक बुलंद मंजिल /यासिर शम्सी।



नगीना। शासन की मंशा के अनुरूप शनिवार को तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसीलदार अमरपाल ने की।इस दौरान क्षेत्र से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 15 शिकायतें प्राप्त हुईं,जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया,जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से निपटाने के निर्देश दिए गए।तहसीलदार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य आम जनता को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।इस दौरान राजस्व,पुलिस,विकास और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र पर 23 पत्रावलियों का निस्तारण कर 04 परिवारों को मिलाया

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर



बहजोई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण मनोज कुमार रावत तथा क्षेत्रधिकारी बहजोई डॉ प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश अनुसार चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति महिला थाना बहजोई में संपन्न हुई। जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को काउंसलर्स के सहयोग से सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। जहां कुल 88 पत्रावलीयो को सुनकर 23 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तो वहीं 04 परिवारों को मिलाया गया 04 पत्रावली में विधिक कार्यवाही की संस्तुति की गई तथा 15 पत्रावलियों पर आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद किया गया। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल,लवमोहन वार्ष्णेय, श्वेता गुप्ता , सीमा आर्या, बबीता शर्मा, कंचन माहेश्वरी तथा कांस्टेबल शहजाद मालिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत महिला आरक्षी ज्योति आदि लोग उपस्थित रहे।

सेंट मैरीज स्कूल की इन्वेस्टिचर सेरेमनी आयोजित

दैनिक बुलंद मंजिल /यासिर शम्सी।



नगीना। धामपुर मार्ग स्थित सेंट मैरीज स्कूल,में सत्र 2026-27 के लिए इन्वेस्टिचर सेरेमनी (पदग्रहण समारोह)भव्य व गरिमामय माहौल में आयोजित की गई।कार्यक्रम में थानाध्यक्ष अवनीत मान मुख्य अतिथि व एसआई सुखरामपाल सिंह राणा विशिष्ट अतिथि रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना नृत्य से हुई,जिसके बाद विद्यार्थियों ने प्रेरणादायक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।इस दौरान विद्यालय की नई छात्र परिषद का गठन करते हुए हेड बॉय अक्षित खटीक,असिस्टेंट हेड बॉय देव,हेड गर्ल अनाविया जैदी व असिस्टेंट हेड गर्ल आमना जैदी समेत अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई।पूर्व हेड बॉय एंटोनी कुजूर व पूर्व हेड गर्ल विशी ने अपने अनुभव साझा किए।विद्यालय के प्रबंधक फादर अनूप व प्रधानाचार्य फादर शायजु ने विद्यार्थियों को अनुशासन,निष्ठा व नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला।अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय की पत्रिका,गूजबेरी के चौथे संस्करण का विमोचन भी किया गया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

घर में गिरकर घायल हुए युवक ने ईलाज के दौरान तोड़ा दम।

हाथों पर मेंहदी लगने से पहले युवक की हुई मौत।

दैनिक बुलंद मंज़िल बीरेंद्र सिंह/सिंहपुसानी। थाना क्षेत्र एचौड़ा कंबोह के गांव नंदपुर बीटा निवासी युवक आकाश उम्र 22 वर्ष की ईलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की आज लग्न आने वाली थी। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि आकाश की आज लग्न आने वाली थी लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। लगभग सप्ताह पूर्व आकाश अपने ही घर में अचानक फिसल कर गिर जाने से घायल हो गया था। परिजनों ने घायल आकाश को निजी चिकित्सक के यहां से दवाई दिला दी। युवक का स्वास्थ कुछ सही हो गया था लेकिन शुक्रवार को घायल आकाश की तबियत अचानक खराब होने पर परिजनों ने मुरादाबाद में ईलाज के लिए भर्ती करा दिया जहां शनिवार सुबह युवक ने दम तोड़ दिया। परिवार में शादी की तैयारियां जोरों पर चल रही थीं। सभी परिजन शादी की खुशी में डूबे हुए थे लेकिन युवक की मौत से परिवार में दुखों का पहाड़ टूट गया। मृतक चार भाई है भाईयों में दूसरे नंबर का था। हाथों में मेंहदी लगने से पहले ही मौत हो गई।

राजधानी दिल्ली के सीआर पार्क इलाके से इस वक्त की बड़ी खबर : जहां हाल ही में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

दैनिक बुलन्द मंज़िल / अयूब खान



दिल्ली । राजधानी दिल्ली के सीआर पार्क इलाके से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां हाल ही में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। South district डीसीपी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को दबोच लिया है। शुरूआती जांच में हत्या के पीछे आपसी रंजिश की बात सामने आ रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी से पूछताछ जारी है और जल्द ही इस पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल था, लेकिन गिरफ्तारी के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए प्रयत्न की पहल

बाल विवाह की रोकथाम सूचना देने वालों को किया गया सम्मानित

दैनिक बुलंद मंज़िल





संभल कार्यक्रम में खुद सूचना देकर अपना बाल विवाह रुकवाने वाले बच्चों को किया सम्मानित कार्यक्रम में 100 से ज्यादा आंगनवाड़ी कार्यकताओं व जिला प्रशासन के आला अफसरों ने की शिरकत

-संभल जिले में बाल विवाह के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहा है नागरिक समाज संगठन प्रयत्न नागरिक समाज संगठन प्रयत्न की पहल पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अफसरों व आंगनवाड़ी कार्यकताओं की बैठक में संभल जिले में अक्षय तृतीया के मौके पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता व निगरानी उपायों पर चर्चा की गई। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में हुए इस कार्यक्रम में खुद सूचना देकर अपना बाल विवाह रुकवाने वाले बच्चों के साथ बाल विवाह की रोकथाम के लिए उल्लेखनीय काम करने वाले अफसरों व आंगनवाड़ी कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से भी ज्यादा आंगनवाड़ी कार्यकताओं के अलावा जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार, डिप्टी चीफ डीएलएसए चंद्रपाल सिंह , अध्यक्ष बाल कल्याण समिति गौरव गुप्ता, सदस्य गौरव शर्मा, नूतन चौधरी, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के दिल्ली हैड ऑफिस से विशेष रूप से सम्भल आई जिंसी जॉन, गुरप्रीत संधू प्रयत्न संस्था के सम्भल प्रभारी गौरीशंकर चौधरी, फील्ड कोर्डिनेटर सिराज अहमद, रमन मौजूद थे। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने बाल विवाह की रोकथाम में आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया जिस पर वरिष्ठ अफसरों ने इनके निदान के लिए प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया। बाल विवाहों की रोकथाम में आंगनवाड़ी कार्यकताओं, बाल विवाह निषेध अधिकारियों व नागरिक समाज संगठनों की भूमिका की सराहना करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार ने कहा, प्रशासन व प्रयत्न जैसे नागरिक समाज संगठनों को सूचना देकर खुद अपना बाल विवाह रुकवाने वाले बच्चों की इस सभागार में मौजूदगी समाज में आए बदलाव की गवाही दे रहे हैं। लेकिन यह गांव-गांव में चलाए गए जागरूकता अभियानों व अथक जमीनी प्रयासों का नतीजा है। संभल को बाल विवाह मुक्त बनाने के प्रयासों में हम कोई कमी नहीं छोड़ सकते क्योंकि यह हमारा नैतिक दायित्व है। बाल विवाह किसी भी बच्चे के बचपन के साथ अन्याय है और इसे रोकना हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन यह सिर्फ हमारे ही प्रयासों से नहीं होगा। वर्षों से जिले में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहे प्रयत्न जैसे नागरिक समाज संगठन बाल विवाह की रोकथाम में जिला प्रशासन के आंख-कान का काम कर रहे हैं। हमें इनकी अग्रणी भूमिका को मान्यता देने की जरूरत है।

संभल जिले में बाल विवाह के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहा नागरिक समाज संगठन प्रयत्न बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इस संगठन ने जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह की शपथ दिलाई है और हाल ही में पहियों पर एक अनूठे अभियान बाल विवाह मुक्ति रथ के जरिए जागरूकता संदेशों के साथ जिले के गांवों और पंचायतों में पहुंचा। इस रथ को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया था।

युवती से मारपीट प्राथमिकी दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल /यासिर शम्सी।

कोतवाली देहात।क्षेत्र के ग्राम डल्लू धनौरा निवासी एक युवती ने गांव के ही कुछ लोगों पर गाली गलौज,मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम डल्लू धनौरा निवासी ज्योति ने पुलिस को बताया कि गांव के ही मोनी,विनीत और रोविन (पुत्र लाला) ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

तहसील दिवस में संवेदनशील पहलः मृतक बीमाधारक के आश्रित को मिला 2 लाख का सहारा

राजापुर, चित्रकूट। तहसील दिवस के अवसर पर प्रशासन ने मानवता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत एक मृतक बीमाधारक के आश्रित को ?2,00,000 की दावा राशि का चेक सौंपा। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से यह सहायता प्रदान करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि केंद्र सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए किसी सुरक्षा कवच से कम नहीं है। परिवार के कमाने वाले सदस्य के असामयिक निधन की स्थिति में यह योजना आर्थिक संबल देकर संकट की घड़ी में सहारा बनती है। उन्होंने बताया कि मात्र ?436 के वार्षिक प्रीमियम पर उपलब्ध यह बीमा योजना बैंकों के माध्यम से आसानी से ली जा सकती है, जिससे आमजन को न्यूनतम लागत में अधिकतम सुरक्षा मिलती है। प्रशासन ने तहसील दिवस में उपस्थित फरियादियों एवं क्षेत्रीय लोगों से आान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस योजना से जुड़कर अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही प्रशासन की प्राथमिकता है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बरेली
संभल
रविवार, 19 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

पुरानी रंजिश में युवक को गोलियों से भूना, खेत में घात लगाए बैठे हमलावरों ने दिनदहाड़े दिया वारदात को अंजाम

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। भमोरा थाना क्षेत्र के भीकमपुर गांव में शनिवार सुबह पुरानी रंजिश ने खूनी मोड़ ले लिया। खेत पर शौच के लिए गए कल्लू उर्फ कल्याण की घात लगाकर बैठे हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात से पूरे गांव में दहशत फैल गई।

परिजनों के मुताबिक, कल्याण सुबह खेत की ओर गया था, तभी पहले से घात लगाए हमलावरों ने उसे निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस दौरान आरोपी पक्ष के जुगेंद्र नाम के व्यक्ति के हाथ में भी गोली लगने की बात सामने आई है।

पुरानी दुश्मनी बनी जानलेवा वजह

मृतक के भाई धर्मपाल ने बताया कि गांव के कुछ लोगों से उनकी पुरानी रंजिश चल रही थी। दो साल पहले भी आरोपियों ने उनके भाई महेंद्र के साथ मारपीट की थी। चार दिन पहले फिर दोनों पक्ष आमने-सामने आए थे और मामला थाने तक पहुंचा था। शुक्रवार को इस विवाद में समझौता होना था, लेकिन उससे पहले ही हत्या की वारदात हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक कल्याण पर भी कई मुकदमे दर्ज थे और उसके खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी थी। हालांकि परिजन इसे पुरानी रंजिश में की गई साजिशन हत्या बता रहे हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस, जांच शुरू

घटना की सूचना मिलते ही सीओ नितिन कुमार और प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले से चल रहे विवाद के बावजूद समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे यह खौफनाक वारदात हो गई। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

विद्यालयी संसद का गठन, छात्रों ने संभाली नेतृत्व की जिम्मेदारी

दैनिक बुलन्द मंज़िल

नैनीताल रोड स्थित श्री गुलाब राय मॉन्टेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्रांच में आज प्रातःकालीन प्रार्थना सभा के दौरान विद्यालयी संसद का गठन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय में एमरल्ड, रूबी, सफायर और टोपेज सदन हैं, जिनके लिए अलग-अलग कप्तानों का चयन किया गया। इसके साथ ही हेड बॉय, हेड गर्ल तथा स्पोर्ट्स कैप्टन के पदों पर भी छात्र-छात्राओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। लड़कों और लड़कियों के लिए पृथक-पृथक पदाधिकारी नियुक्त किए गए।



नव निर्वाचित पदाधिकारियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रणवीर सिंह रावत ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व और जिम्मेदारी का महत्व बताते हुए कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन राहुल मैसी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हाउस कन्वीनर मनीष सिंह बोरा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी नवचयनित प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चुने गए पदाधिकारियों के नाम इस प्रकार हैं :-

हेड ब्वॉय - पार्थ भाटिया
हेड गर्ल - शिविका गर्ग
स्पोर्ट्स कैप्टन ब्वॉयज - आयुष यादव
स्पोर्ट्स कैप्टन गर्ल्स - वैष्णवी जोशी
एमरल्ड सदन कैप्टन ब्वॉयज - अर्श प्रजापति
एमरल्ड सदन कैप्टन गर्ल्स - रिद्धिमा मिश्रा
रूबी सदन कैप्टन ब्वॉयज - सात्विक मुखर्जी
रूबी सदन कैप्टन गर्ल्स - आस्था सक्सेना
सफायर सदन कैप्टन ब्वॉयज - तनिष्क सिंह
सफायर सदन कैप्टन गर्ल्स - सृष्टि दिवाकर
टोपेज सदन कैप्टन ब्वॉयज - अर्णब सिंह
टोपेज सदन कैप्टन गर्ल्स - अनन्या कृष्णा
रजनीश त्रिवेदी
मीडिया प्रभारी

कलेक्ट्रेट गेट पर बजरंग दल का जोरदार प्रदर्शन, जमकर नारेबाजी, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, रखीं सख्त मांगें

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। देशभर में उठ रहे सामाजिक और धार्मिक मुद्दों को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन कर प्रशासन की नींद उड़ा दी। गेट पर जुटे कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और विभिन्न घटनाओं को लेकर आक्रोश जताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर केंद्र और प्रशासन का ध्यान खींचने की कोशिश की। उनका कहना था कि देश में कुछ घटनाएं लगातार सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही हैं, जिन पर समय रहते लगाम लगाना जरूरी है। ज्ञापन में बजरंग दल ने अवैध धर्मांतरण, महिलाओं के कथित शोषण और जमीन कब्जाने के मामलों का हवाला देते हुए गंभीर चिंता जताई। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि ऐसे मामलों में ढिलाई बरती जा रही है, जिससे समाज में असंतोष बढ़ रहा है।

अवैध कब्जों पर कार्रवाई नहीं तो बढ़ेगा आक्रोश

कार्यकर्ताओं ने सरकारी और सार्वजनिक जमीनों पर कथित अवैध कब्जों का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि इन मामलों में तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। ज्ञापन में जनजातीय और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए गए। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि ऐसे इलाकों में विशेष निगरानी और मजबूत सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सख्त कानून और त्वरित कार्रवाई की मांग

बजरंग दल ने जबरन धर्मांतरण और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की। साथ ही प्रशासन से ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। अंत में उन्होंने साफ कहा कि देश की एकता और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासन को अब निर्णायक भूमिका निभानी ही होगी।

नशे के काले साम्राज्य पर बड़ी चोट, ड्रग माफिया अकरम पर एसएसपी का हंटर, एक साल तक नहीं मिलेगी रिहाई

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। मादक पदार्थ तस्करी के बड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए एसएसपी अनुराग आर्य ने फतेहगंज पश्चिमी निवासी कुख्यात तस्कर अकरम के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत उसकी निरोधक अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा दी गई है। अब अकरम एक साल तक जेल से बाहर नहीं आ सकेगा।

अकरम को 2 जुलाई 2025 को इज्जतनगर पुलिस ने उसके पांच साथियों आसिफ, हारुन, जावेद, राशिद और आदेश तिवारी के साथ गिरफ्तार किया था। उस समय पुलिस ने उनके कब्जे से 3 किलो 526 ग्राम स्मैक बरामद की थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब सात करोड़ रुपये आंकी गई थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 1.46 लाख रुपये नकद, सात मोबाइल फोन, स्मैक बनाने के उपकरण भी जब्त किए थे। इसके साथ ही तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक स्कूटी और मारुति स्विफ्ट कार भी बरामद की गई थी। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अकरम को जेल भेज दिया गया था, जहां वह तभी से निरुद्ध है।

लगातार अपराध में लिप्त रहा अकरम

पुलिस के अनुसार अकरम पर पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं। वर्ष 2018 में उसे ऊधम सिंह नगर पुलिस ने 252 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था, जिसका मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। इसके अलावा जुलाई 2024 में फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने पंकज नामक आरोपी से 211 ग्राम स्मैक बरामद की थी। पूछताछ में पंकज ने यह स्मैक अकरम से खरीदने की बात कबूली थी। इस मामले में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है और फरवरी 2025 से न्यायालय में सुनवाई चल रही है।

संगठित गिरोह का सरगना

पुलिस जांच में सामने आया है कि अकरम बरेली और आसपास के क्षेत्रों में स्मैक तस्करी के एक संगठित गिरोह का सरगना है। उसके साथ आसिफ, हारुन, जावेद, राशिद और आदेश तिवारी जैसे सहयोगी लंबे समय से इस अवैध कारोबार में सक्रिय थे। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए अभियान तेज किया जाएगा।

पेंट फैक्टरी में लगी भीषण आग, शॉर्ट सर्किट से धधका गोदाम, एक घंटे तक चला रेस्क्यू, मची अफरा-तफरी

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र के परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार सुबह अंकुर पेंट फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग भड़क उठी। करीब 11 बजे लगी इस आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप ले लिया और पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। गोदाम में बड़ी संख्या में पेंट से भरे ड्रम रखे होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। देखते ही देखते लपटें ऊंची उठने लगीं और आसपास की फैक्ट्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

दमकल और फैक्ट्री टीम की संयुक्त कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। साथ ही बीएल एग्रो ऑयल की फायर टीम ने भी मोर्चा संभाला। कर्मचारियों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर दिया और करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि पूरी तरह नियंत्रण पाने के लिए लगभग एक घंटे तक लगातार अभियान चलाना पड़ा।

रेस्क्यू टीम ने संभाला मोर्चा

बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अग्नि सुरक्षा मैनेजर जय नारायण सिंह के नेतृत्व में बचाव अभियान चलाया गया। टीम में सीनियर सुपरवाइजर शोभित कुमार सिंह, प्रमोद कुमार, प्रमोद कुमार यादव, लीडिंग फायरमैन प्रवीण कुमार यादव और कर्मवीर सिंह शामिल रहे। फायरमैन कृष्णा यादव, हिमांशु, आनंद, मनीष शर्मा, विशाल, देवेश कुमार और टिंकू समेत अन्य कर्मचारियों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।

नुकसान का आकलन जारी, टली बड़ी अनहोनी

आग की इस घटना में फिलहाल किसी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन गोदाम में रखे सामान को काफी नुकसान पहुंचा है। नुकसान का सही आकलन किया जा रहा है। समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इस घटना ने औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

टीबी मुक्त बरेली को विशेष अभियान में सभी करें सहयोग– सीएमओ

गत 24 मार्च से जनपद में चलाया जा रहा है विशेष 100 दिवसीय विशेष अभियान



दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली । क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के जनपद में अंतर्गत गत 24 मार्च से 100 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने आमजन से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की है और कहा है कि अपने घर से शुरूआत करें और आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने लोगों से ज्यादा से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग कराने का आग्रह किया है ताकि कोई भी टीबी का मरीज उपचार से वंचित न रहे। सीएमओ ने कहा कि 100 दिवसीय सघन अभियान को सफल बनाने के लिए सभी की सहभागिता आवश्यक है। अभियान में सभी की भागीदारी होगी तो बरेली जल्द से जल्द टीबी मुक्त हो जाएगा। उन्होंने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि सघन अभियान का हिस्सा बनें और अपने घर से शुरूआत करें। साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग कराए। जिससे कोई भी टीबी का मरीज उपचार से वंचित न रहे आपका सहयोग महत्वपूर्ण है।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. इंतजार हुसैन ने बताया कि 100 दिवसीय जागरुकता अभियान के लिए राज्य स्तर से उच्च जोखिम वाले गांव की सूची निर्धारित करके भेजी गई है वह सूची सभी ब्लॉक को उपलब्ध करा दी गई है उन ग्राम में जनपद में संचालित छह हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों के द्वारा गांव-गांव जाकर एक्स-रे किए जा रहे हैं साथ ही एक्स-रे की रिपोर्ट सही नहीं आने पर उनके बलगम के सैंपल भी जांच के लिए लिए जा रहे हैं साथ ही कैंप में अन्य जांच भी की जा रही हैं।

इस जनसंख्या को है अधिक खतरा

डीटीओ ने बताया कि 60 वर्ष तक के व्यक्तियों , धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, शराब का सेवन करने वाले व्यक्ति, शुगर ग्रसित व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति, टीबी मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों, पिछले पांच वर्ष में टीबी स्वस्थ हुए टीबी रोगियों, कॉनग्रीगेट साइट, कारागार में निरुद्ध कैदी, वृद्धाश्रम व रैन बसेरों और आवासीय स्कूलों में रहने वाले छात्र-छात्राओं को लक्ष्य मानकर उनकी टीबी की जांच की जाएगी व उनको टीबी के प्रति जागरुक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, अधीक्षक, एनटीईपी स्टाफ, मेडिकल ऑफिसर, सीएचओ, एएनएम व आशाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अब वह सफलतापूर्वक अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को टीबी के प्रति जागरुक कर रहे हैं और उनके द्वारा शिविर लगाकर लोगों एक्स-रे किये जा रहे हैं एब जांच के लिए बलगम के सैंपल भी लिए जा रहे हैं।

डीटीओ ने बताया कि अभियान के दौरान टीबी मरीजों के घरों में जाकर उनके घर के अन्य सदस्यों को टीबी प्रिवेंटिव दवा खिलाई जाएगी। यह दवा सप्ताह में एक बार खिलाई जाएगी। अन्य लोगों में टीबी का संक्रमण न हो, इसके लिए टीबी रोगी के संपर्क में आने वाले सभी लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें

- खांसी दो सप्ताह से
- बुखार
- सीने में दर्द
- मुंह से खून आना
- थकान
- सांस लेने में तकलीफ
- गर्दन में गिल्टी, गांठ, बांझपन आदि
- रात में पसीना आना
- वजन कम होना
- भूख न लगना

पुलिस से भिड़े पशु तस्कर, मुठभेड़ में दो को गोली मार दबोचा... तीसरा जंगल में फरार

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। शीशगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के पुलिस और पशु तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाशों को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उनका एक साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है।

तीन अप्रैल को ग्राम बरगवां निवासी ओमकार ने किच्छा नदी किनारे संरक्षित पशु के अवशेष मिलने की सूचना दी थी। इस मामले में शीशगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस लगातार पशु तस्करों की तलाश में जुटी थी। संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी और कई टीमों को लगाया गया था।

पनवड़िया पुल पर घेराबंदी, बदमाशों ने झोंकी गोलियां

शनिवार सुबह करीब पांच बजे इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ पनवड़िया पुल के पास गश्त कर रहे थे। तभी तीन संदिग्धों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गोली मारकर दबोच लिया। मुठभेड़ में अब्दुल रहमान (35) निवासी धौराटांडा, भोजीपुरा के बाएं पैर में और दानिश कुरैशी (26) निवासी धौराटांडा, भोजीपुरा के दाहिने पैर में गोली लगी। दोनों को घायल अवस्था में सीएचसी बहेड़ी भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

तमंचा, कारतूस और पशु वध के औजार बरामद

पुलिस के मुताबिक अब्दुल रहमान से एक तमंचा, दो खोखा, एक जिंदा कारतूस और 1260 रुपये नकद बरामद हुए। वहीं दानिश के पास से एक तमंचा, कारतूस, 1550 रुपये नकद और पशु वध के उपकरण मिले हैं। मुठभेड़ के दौरान तीसरा आरोपी आरिफ निवासी किच्छा घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में कॉम्बिंग ऑपरेशन चला रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

घर में फंदे से लटका मिला युवक का शव, तीन साल पहले मुस्लिम बनकर किया था निकाह, जांच में जुटी पुलिस

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। कैंट थाना क्षेत्र के नकटिया इलाके में शनिवार सुबह एक युवक का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। घटना से कुछ घंटे पहले ही युवक का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद पत्नी मायके चली गई थी। पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए हर पहलू से जांच में जुट गई है।

मृतक की पहचान इमरान उर्फ विनय पुत्र शंकरलाल प्रजापति के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बारादरी थाना क्षेत्र के जोगी नवादा का रहने वाला था और वर्तमान में नकटिया स्थित मारिया मीट फैक्टरी के पास किराये पर रह रहा था। बताया जा रहा है कि उसने करीब तीन साल पहले मुस्लिम धर्म अपनाकर मुस्कान नाम की युवती से शादी की थी। दोनों के दो बच्चे भी हैं। इमरान रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता था।

रात में नहीं लौटा, सुबह हुआ विवाद

पत्नी मुस्कान के मुताबिक, शुक्रवार रात इमरान घर नहीं लौटा था। शनिवार सुबह जब वह घर आया तो दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो मारपीट तक पहुंच गई। विवाद के बाद मुस्कान अपने मायके चली गई थी। रात करीब साढ़े 12 बजे मुस्कान अपने परिजनों के साथ वापस लौटी तो घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। इस पर उसका भाई जाहिद गेट के ऊपर से कूदकर अंदर गया और दरवाजा खोला।

कमरे में फंदे से लटका मिला शव

परिजनों ने जब कमरे का दरवाजा खोला तो अंदर का नजारा देख दंग रह गए। इमरान छत के कुंडे से रस्सी और चुन्नी के सहारे फंदे पर लटका हुआ था। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। कैंट इंस्पेक्टर संजय धीर ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फील्ड यूनिट ने भी जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कमरे की कुंडी अंदर से बंद नहीं थी, जिससे मामले में अन्य संभावनाओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।